तापमान

अधिकतम 44 .0 डिग्री
न्यूनतम 31.8 डिग्री

हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि

रोहतक, रविवार, 2 जून 2024

11 सोहना-धारूहेड़ा हाइवे पर बदतर हुए हालात, गर्मी में जाम व अतिक्रमण से फूल रही लोगों की सांस

12 नौतपा में आठ दिन खूब तपी धरती खत्म होने के बाद बरसात की बारी

खबर संक्षेप

कंपनी की पार्किंग में खड़ी बाइक चोरी

बावल। औद्योगिक एरिया में एक कंपनी की पार्किंग में खड़ी बाइक चोरी हो गई। पुलिस शिकायत में रेवाड़ी के शास्त्री नगर निवासी राजेश ने बताया कि वह कंपनी में काम करता है। वह बाइक लेकर घर से कंपनी में ड्यूटी पर आया था। पार्किंग में बाइक खड़ी करने के बाद वह अंदर चला गया। ड्यूटी खत्म होने के बाद जब वह बाहर आया तो उसे बाइक नहीं मिली। काफी तलाश करने के बाद भी बाइक का कोई पता नहीं चल सका। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

मारपीट व धमकी देने का आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। गांव टांकड़ी में मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मारपीट के बाद अस्पताल में उपचाराधीन गांव के ही व्यक्ति के बयान पर गत 2 मई को विड़िान्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पुलिस ने जांच के बाद इस मामले में टांकड़ी निवासी पूर्णसिंह को गिरफ्तार कर लिया। बाद में उसे पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

कोल्ड ड्रिंक सप्लायर के साथ मारपीट

बावल। कस्बे में कोल्ड ड्रिंक की सप्लाई करने वाले युवक के साथ मारपीट के आरोप में पुलिस ने कई लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस बयान में पंजाबी मोहल्ला निवासी अंकित ने बताया कि वह शिवम की दुकान पर गया था। वहां एक लड़का मोनू माजरी 5-6 युवकों के साथ आया। इन लोगों ने उसके साथ मारपीट करना शुरू कर दिया। इसके बाद आरोपी फरार हो गए। शिवम ने उसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद आरोपियों की तलाश शुरू कर दी।

कमरे से दो मोबाइल फोन व नकदी चोरी

बावल। शाहपुर में कमरे में सो रहे एक व्यक्ति का मोबाइल फोन व नकदी चोरी हो गए। पुलिस शिकायत में गांव निवासी अंकित ने बताया कि रात को करीब 10 बजे वह अपने कमरे में सो गया था। सुबह जब वह सोकर उठा तो उसका व उसकी मां का मोबाइल फोन और कमरे में रखे 12 हजार रुपये नहीं मिले। काफी छानबीन करने के बाद भी सामान का पता नहीं चला। उसने अपने नंबर पर कॉल की तो फोन उठाने वाले ने कहा कि उसने किसी से फोन खरीदा है। वह जल्द फोन लौटा देगा।

मारपीट व धमकी देने के आरोपी गिरफ्तार

धारूहेड़ा। पुलिस ने मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर 14 मई को विड़िान्न धाराओं के तहत केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने मोतला खुर्द निवासी दिनेश कुमार व धारूहेड़ा के खलियावास मोहल्ला निवासी नितिन को गिरफ्तार कर लिया। बाद में दोनों आरोपियों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

खेत में लगे सोलर पैनल के तार चोरी

रेवाड़ी। डोहकी में चोर एक किसान के खेत में लगे सोलर पैनल के तार चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में बलजीत ने बताया कि उसका पटौदी रोड और दिल्ली रेलवे लाइन के बीच खेत है। उसने अपने खेत में सोलर पैनल लगवाया हुआ है, जिससे वह खेत में सिंचाई करता है। रात के समय चोर उसके सोलर पैनल के तार चोरी कर ले गए। इससे उसे हजारों रुपये का नुकसान हुआ है। पुलिस ने उसकी शिकायत पर चोरी का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

एडमिशन प्रक्रिया को लेकर सभी कॉलेजों ने पोर्टल पर अपलोड की प्रोफाइल डिटेल

कॉलेजों में स्नातक के ऑनलाइन आवेदन कल से तीन जुलाई को आउट होगी पहली मेरिट लिस्ट

■ 25 जून तक आवेदन कर सकेंगे विद्यार्थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिले के कॉलेजों में स्नातक कोर्स के लिए विद्यार्थियों की ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 3 जून से शुरू होने जा रही है। यह प्रक्रिया 25 जून तक चलेगी। पहली कट ऑफ लिस्ट 3 जुलाई को जारी की जाएगी। जिले में स्थित 11 राजकीय, 4 सरकारी अनुदान प्राप्त व तीन सेल्फ फाइनेंस डिग्री कॉलेजों में विड़िान्न कोर्सों की 10 हजार से ज्यादा सीटों पर दाखिले किए जाएंगे। हरियाणा बोर्ड के 12वीं के परिणाम में जिले के 6626 विद्यार्थी व सीबीएसई के परिणाम में 7622 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। एडमिशन का शेड्यूल जारी होने के बाद जिले के कॉलेज प्रबंधन ने कमेटी गठित करके तैयारियां पूरी कर ली है।

3 से 25 जून तक होंगे ऑनलाइन आवेदन

शनिवार कोसभी कॉलेजों की ओर से प्रोफाइल डिटेल जैसे एडमिशन नोडल अधिकारी, कॉलेज बैंक डिटेल, कोर्स, सब्जेक्ट कॉबिनेशन, सीट और फीस का ब्यौरा पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है। विद्यार्थी 3 जून से 25 जून तक एडमिशन पोर्टल पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करेंग। 3 जून से 26 जून तक स्टूडेंट एप्लीकेशन फार्म को एडिट कर सकते है। 5 जून से 28 जून तक कॉलेजों में ऑनलाइन डॉक्युमेंट वेरिफिकेशन प्रक्रिया की जाएगी। 2 जुलाई को पहली प्रोविजनल मेरिट लिस्ट और 3 जुलाई को फाइनल मेरिट लिस्ट जारी की जाएगी। 4 जुलाई से 8 जुलाई तक पहली मेरिट लिस्ट में नाम आने पर विद्यार्थी को फीस जमा करानी होगी। 9 जुलाई को दूसरी प्रोविजनल मेरिट लिस्ट और 10 जुलाई को दूसरी फाइनल मेरिट लिस्ट जारी होगी। 10 जुलाई से 12 जुलाई तक दूसरी मेरिट लिस्ट के विद्यार्थियों की फीस जमा होगी। 15 जुलाई को पहली और दूसरी लिस्ट में रह गए आवेदक फिजिकल काउंसलिंग में भाग लेकर दाखिला ले सकेंगे। इसके बाद 16 जुलाई को पोर्टल फिर से रजिस्ट्रेशन करने के लिए ओपन किया जाएगा।कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण निदेशालय की ओर से आईटीआई में सत्र 2024-25 के लिए दाखिला नोटिस जारी किया गया है। जिले की सभी आईटीआई में भी 7 जून से रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया आरंभ हो जाएगी और यह प्रक्रिया 21 जून तक चलेगी। जिले में 9 सरकारी आईटीआई के 27 ट्रेड में करीब 2750 सीटों पर आवेदन किए जाएंगे। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में इसके लिए हेल्प डेस्क भी लगाई जाएगी। पटौदी रोड आईटीआई के प्राचार्य सुनील कुमार यादव ने कहा कि विद्यार्थी अपने जरूरी कागजात तैयार रखे।

रेवाड़ी। सेक्टर-18 स्थित राजकीय कन्या कॉलेज। फोटो :हरिभूमि

पॉलिटेक्निक कॉलेजों में 17 तक आवेदन

विद्यार्थी पॉलिटेक्निक कॉलेजों में 17 जून तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। जिले में दो सरकारी राजकीय बहु तकनीकी संस्थान लिसाना और धामलावास में संचालित हैं। दोनों कॉलेजों की 360-360 सीटों पर दाखिले होंगे। 18 जून तक सभी दस्तावेजों की जांच की जाएगी। 19 जून को पहली मेरिट सूची जारी की जाएगी। 20 से 24 जून तक आवेदक वेबसाइट पर अपनी पंसदीदा ब्रांच भरकर लॉक कर सकेंगे। 25 जून को सीट अलॉट कर दी जाएगी। 26 से 29 जून तक फिजिकल रिपोर्टिंग होगी। 1 से 3 जुलाई तक दूसरी काउंसलिंग होगी।

कॉलेज में हेल्प डेस्क की रहेगी सुविधा

3 जून से एडमिशन के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। कॉलेज संबंधी सभी प्रोफाइल हायर एजुकेशन विभाग के पोर्टल पर अपलोड कर दी गई है। एडमिशन के लिए कॉलेजों में आने वाले विद्यार्थियों की मदद के लिए स्टाफ की ड्यूटी लगाई गई है। कॉलेज में हेल्प डेस्क की सुविधा भी रहेगी।

-ज्योति यादव, प्राचार्या, सेक्टर-18 गर्ल्स कॉलेज।

पांच जून से होगी दस्तावेज की जांच

हरियाणा उच्चतर शिक्षा विभाग की ओर से कोसली राजकीय महाविद्यालय में बीए, बीएससी एवं बीकाम में दाखिला प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। विद्यार्थियों की ओर से ऑनलाइन पंजीकरण 3 से 25 जून तक किए जाएंगे। 5 जून से 28 जून तक कागजातों के सत्यापन की प्रक्रिया होगी। 3 जुलाई को दाखिले की पहली व 10 जुलाई को दूसरी सूची जारी होगी। 15 जुलाई से बची हुई सीटों पर फिजिकल काउंसलिंग के माध्यम से दाखिले किए जाएंगे। कॉलेज में हेल्प डेस्क की सुविधा की गई है।

-डा. विवेक कुमार, प्राचार्य कोसली कॉलेज।

स्नातक आवेदन के लिए जरूरी दस्तावेज

एडमिशन के लिए पासपोर्ट साइज फोटो, हस्ताक्षर प्रतिलिपी, दसवीं व बारहवीं की मार्कशीट, माइग्रेशन सर्टिफिकेट, चरित्र प्रमाण पत्र, एनसीसी, एनएसएस, खेल प्रमाण पत्र, हरियाणा निवास प्रमाण पत्र, ईडब्ल्यूएस या एससी, बीसी छात्रवृत्ति के लाभ का दावा करने के लिए आय प्रमाण पत्र, आरक्षित श्रेणी प्रमाण पत्र व गैप ईयर होने का एफिडेविट आवश्यक हैं।

अवैध शराब ले जा रहा युवक गिरफ्तार

■ पुलिस ने बैग की तलाशी लेने पर 24 बोतल शराब बरामद की

रेवाड़ी। अवैध शराब के साथ गिरफ्तार दुलीचंद। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

थाना बावल पुलिस ने शराब तस्करी के आरोप में एक राजस्थान के एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ एक्साइज एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक युवक बाइक पर शराब लेकर छोटूराम चौक से राजस्थान के गांव गादली की ओर जा रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने उसे रास्ते में ही काबू कर लिया। उसके बैग की तलाशी लेने पर 24 बोतल शराब बरामद हुई। आरोपी गादली निवासी दुलीचंद है। शराब बरामद होने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

नाहड़ में शनि जयंती पर कार्यक्रम 6 को

नाहड़। गांव नाहड़ के शनि मंदिर में शनि जयंती के उपलक्ष्य में 6 जून को हवन का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर भजन बंदगी के साथ-साथ प्रसाद भी वितरित किया जाएगा। जेएलएन नहर स्थित शनि मंदिर में प्रति वर्ष शनि जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। शनि मंदिर के वयोवृद्ध पुजारी भगत छोटूराम तथा संजय ने बताया कि वीरवार को मंदिर प्रांगण में प्रातः 8 बजे पंडित गोविंद शर्मा हवन करेंगे। इसके बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा। मंदिर के पुजारी ने बताया कि सनातन धर्म में सभी देवी-देवताओं में शनि देव को न्यायाधीश की संज्ञा दी गई है। उन्होंने कहा कि इस दिन शनिदेव की विशेष पूजा-अर्चना करने से सभी कष्टों का निवारण होता है। लोगों को इस दिन दान पुण्य करना चाहिए व शनि चालीसा का पाठ करना चाहिए।

लक्की हत्याकांड का मुख्य आरोपी काबू, एक दिन के पुलिस रिमांड पर

■ पुलिस उसके साथियों की तलाश कर रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

तीन दिन पूर्व भजन का बाग के युवक को घर से ले जाकर पीट-पीटकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद एक दिन के रिमांड पर लिया गया है। पुलिस उसके साथियों की तलाश कर रही है।

लोकेश उर्फ लक्की को बीते बुधवार देर सायं मोहल्ला बास सिताबराय निवासी आकाश उर्फ सन्नी अपने साथ ले गया था। लक्की के देर रात तक घर नहीं लौटने पर परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। वीरवार सुबह सन्नी उसकी स्कूटी लेकर लक्की के घर पहुंच गया। उसने बताया कि लक्की के सिर में चोट लगी है। वह धारूहेड़ा चुंगी के पास एक अस्पताल में उपचाराधीन है। इसके बाद परिजन अस्पताल पहुंचे तो बताया गया कि उसे ट्रॉमा सेंटर भेज दिया गया है। ट्रॉमा सेंटर में उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने उसके पिता यशपाल के बयान पर सन्नी व तीन नामजद सहित कई आरोपियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया था। पुलिस ने सन्नी को गिरफ्तार करने के बाद हत्याकांड में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। आरोपी से पूछताछ के दौरान वारदात में प्रयुक्त डंडा व एक मोबाइल फोन पुलिस ने कब्जे में लिया है।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में हत्या का आरोपी सन्नी। फोटो :हरिभूमि

अपने विकसित भारत के 2047 के विजन की ओर बढ़ रहा भारतः अमित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

भाजपा नेता अमित यादव ने कहा कि 2014 से भारत एक नई ऊर्जा के साथ अपने विकसित भारत के 2047 के विजन की ओर बढ़ रहा है। मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं से न सिर्फ गरीबों व वंचितों की मदद की जा रही है, अपितु मध्यम वर्ग और उच्च वर्ग भी इस दौर में खुश है। 10 वर्षों के कार्यकाल में किसान कल्याण की योजनाएं, नारी शक्ति को नई ऊर्जा, भारत की अमृत पीढ़ी का सशक्तिकरण, सभी को सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवा, तकनीक के क्षेत्र में शक्तिमान और आत्मनिर्भर, विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा का आधार राष्ट्र प्रथम रहा है। अमित यादव ने चुनावी कड़ी में हरियाणा के चुनाव उपरांत हमीरपुर लोकसभा हिमाचल से प्रत्याशी केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर के क्षेत्र में चुनाव प्रचार प्रसार किया। उन्होंने कहा कि हमीरपुर लोकसभा अपनी नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है और अनुराग ठाकुर पुणे में भारी मतों से जीतकर मोदी सरकार में अपनी सहभागिता सुनिश्चि करेंगे।

रेवाड़ी। हमीरपुर में प्रचार के दौरान अमित यादव। फोटो :हरिभूमि

शनि जयंती पर जागरण का आयोजन 5 को

रेवाड़ी। शनि जयंती के अवसर पर सोलहराही स्थित शनि मंदिर में जागरण व भंडारे का आयोजन किया जाएगा। मंदिर के पुजारी मोनू ने बताया कि 5 जून को शाम 7 बजे से मंदिर परिसर में जागरण का आयोजन किया जाएगा, जिसमें भजन गायक विकास अहरोदिया बासदूदा व रेवाड़ी से गायिका नंदिनी शर्मा व दीपिका शनि महाराज की महिमा का गुणगान करेंगे। जागरण में अरविंद म्यजिकल ग्रुप से संगीत दिया जाएगा। 6 जून को मंदिर परिसर में दोपहर 12 बजे भंडारे का आयोजन भी होगा।

■ जागरण में अरविंद म्यजिकल ग्रुप से संगीत दिया जाएगा

■ 6 जून को मंदिर में लगेगा भंडारा

घर में लगी आग से लाखों रुपये का सामान जला

रेवाड़ी। आग लगने से घर में जला सामान, घर के बाहर खड़ी फायर बिग्रेड।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

न्यू कॉलोनी में शुक्रवार की रात एक मकान के कमरे में आग लगने से फर्नीचर व अन्य सामान जलकर राख हो गया। सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड भी मौके पर पहुंची, परंतु तब तक सारा सामान जल चुका था। न्यू कॉलोनी निवासी हिमांशु का परिवार रात को सो गया था। सुबह जब उसकी मां उठी तो साइड के कमरे से जलने की गंध आ रही थी। उसने कमरा खोलकर देखा तो सामान जला हुआ था। आग लगने के बाद सामान जलकर खुद ही बुझ गई, जिससे दूसरे कमरों तक नहीं फैल पाई। हिमांशु ने इसकी सूचना पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी। सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंच गई। जले हुए सामान पर पानी की बौछारें करते हुए आग को पूरी तरह बुझाया गया। आग लगने से फर्नीचर, बिस्तर और घर का करीब 4 लाख रुपये का सामान जल गया।

स्थापना दिवस सेना शिक्षा कोर का नाम न बदलने की मांग को लेकर राष्ट्रपति के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

पूर्व सैनिकों ने मनाया सेना शिक्षा कोर का स्थापना दिवस

■ सूबेदार नरेन्द्र सिंह यादव ने सभी को सेना शिक्षा कोर दिवस पर बधाई दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

शनिवार को जिले के पूर्व सेना शिक्षा कोर के सदस्यों ने सेना शिक्षा कोर का 104वां स्थापना दिवस मनाया। रेजांगला शहीद स्मारक में शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सूबेदार रणताज सिंह ने सेना शिक्षा कोर की वर्तमान गतिविधियों पर प्रकाश डाला। सेना शिक्षा कोर की प्रार्थना 'निर्भय चित हो मस्तक ऊंचा' गाई गई। इस मौके पर सेना शिक्षा कोर का नाम न बदलने की मांग को लेकर राष्ट्रपति के नाम एसडीएम विकास यादव को ज्ञापन भी सौंपा गया। सूबेदार नरेन्द्र सिंह यादव ने सभी को सेना शिक्षा कोर दिवस पर बधाई दी। डा. जयभगवान भारद्वाज ने सभी से पर्यावरण सरंक्षण के लिए पौधे लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि पौधों की देखभाल करने में पूर्व सैनिकों को अहम भूमिका निभानी चाहिए। सूबेदार सूरत सिंह ने भी अपने विचार वक्त किए। मंच संचालन राजेन्द्र सिंह चौहान पूर्व प्रवक्ता ने किया। इस मौके पर सूबेदार सुभाष चन्द्र, सूबेदार जगमाल सिंह यादव, राजेन्द्र सिंह चौहान, सूबेदार अभय सिंह यादव, कृष्ण कुमार, सूबेदार महीपाल सिंह, सूबेदार दयानंद , सूरत सिंह व दलीप सिंहसहित अनेक पूर्व सैनिक मौजूद थे।

रेवाड़ी। एसडीएम को ज्ञापन सौंपते हुए पूर्व सैनिक, शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पूर्व सैनिक। फोटो :हरिभूमि

क्षेत्र के गांव से विवाहिता हुई लापता

कोसली। क्षेत्र के गांव से एक विवाहिता वीरवार रात बिना बताए घर से कही चली गई। विवाहिता के पति ने कोसली पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उन्होंने सात वर्ष पूर्व नजदीकी गांव की युवती से प्रेम विवाह किया था, जिससे अभी तक उन्हें कोई संतान नहीं हुई है। इस बात को लेकर कभी-कभी उनकी कहासुनी हो जाती थी। वीरवार रात वह अपने प्लाट में सो रहे थे तथा पत्नी घर पर सोई थी। शुक्रवार सुबह जब वह घर पर आए तो उनकी पत्नी घर पर नहीं मिली। घर में रखी नकदी व जेवरात भी नहीं मिले। पति ने पत्नी के किसी अंजान व्यक्ति के साथ जाने का संदेह जताया है। पुलिस ने महिला की गुमशुदगी का मामला दर्ज कर तलाश प्रारंभ की है।

शेयर बाजार में 4 साल की तेजी ने बढ़ा दिया एसआईपी कल्चर

अब आम लोग भी जमकर कर रहे हैं निवेश

कोरोना काल में लोगों ने घरों से काम किया

इस दौरान स्टॉक मार्केट और म्यूचुअल फंड में निवेशकों की संख्या बढ़ी

एमएफ के असेट में इक्विटी की हिस्सेदारी अप्रैल 2023 में 60 प्रतिशत तक पहुंची

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

आजकल शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव जोरों पर है। कभी निवेशकों के करोड़ों रुपये डूब जाते हैं तो अगले ही दिन निवेशक करोड़ों रुपये कमा भी लेते हैं। पिछले चार साल में बाजार की चाल देखें तो बाजार की तेजी ने निवेशकों में एसआईपी कल्चर को बढ़ा दिया है। अब लोग म्यूचुअल फंड में जमकर निवेश कर रहे हैं। इसके लिए वे एसआईपी का सहारा ले रहे हैं। इसके कारण स्टॉक मार्केट और म्यूचुअल फंड में निवेशकों की संख्या बढ़ी है। कोविड के कारण लागू किए गए लॉकडाउन के चलते लाखों आम लोग दफ्तर जाने से बच गए। इस दौरान वर्क फ्रॉम होम का चलन बढ़ा। इसके साथ ही इसी दौरान सीधे स्टॉक मार्केट, म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले लोगों की संख्या में बड़ी तेजी से इजाफा हुआ। ऐसे में भारत में हाउसहोल्ड सेविंग का इस्तेमाल कैसे किया जाता है, इसमें एक बड़ा बदलाव देखने को मिला।

शेयरों में निवेश बढ़िया विकल्प

आम लोग महंगाई से मुकाबला करने के लिए शेयरों में निवेश को सबसे अच्छा विकल्प मानने लगे। फ्रैंकलिन टेम्पलटन के आंकड़ों के मुताबिक, म्यूचुअल फंड के कुल असेट में से इक्विटी की हिस्सेदारी अप्रैल 2023 में 60% तक पहुंच गई। यह दिसंबर 2020 में 39.2% थी। इसी अवधि में म्यूचुअल फंडों की कुल एयूएम 31.02 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 57.26 लाख रुपये करोड़ हो गई।

क्या कहते हैं बाजार के जानकार

बाजार के जानकारों का मानना है कि शेयर बाजार में निवेश करने वालों में अब आम लोगों की हिस्सेदारी बढ़कर 60% से अधिक हो गई है। लोग म्यूचुअल फंड के जरिए इक्विटी में निवेश कर रहे हैं और इसी वजह से शेयर बाजार में निवेश बढ़ रहा है। फाइनेंसियल प्लानर्स का कहना है कि हाल के दिनों में एसआईपी (सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) का चलन बढ़ा है। इसका भी इक्विटी में निवेश बढ़ने में बड़ा योगदान है। एसआईपी के जरिए लोग धीरे-धीरे और लगातार शेयरों में निवेश करते हैं, जिससे वे अपने लॉन्ग टर्म गोल को पूरा कर सकें।

इक्विटी में बढ़ रहा लोगों का भरोसा

माना जा रहा है कि एसआईपी का चलन लोगों में बहुत ज्यादा पसंद किया जा रहा है। कई लोग एसआईपी के जरिए अपने इक्विटी में निवेश को बढ़ावा दे रहे हैं। धीरे-धीरे निवेश के माध्यम से वे अपने लॉन्ग टर्म के टारगेट को पूरा कर रहे हैं और अच्छा मुनाफा भी हासिल कर रहे हैं। 2019-20 में एसआईपी के जरिए निवेश 1 लाख करोड़ रुपये था। यह 2023-24 में बढ़कर 1.99 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह इक्विटी में लोगों के भरोसे को बताता है। जानकारों का मानना है कि कुछ लोग अपनी फिजिकल वेल्थ को बेच रहे हैं और उस पैसे का कुछ हिस्सा इक्विटी म्यूचुअल फंडों में निवेश कर रहे हैं। फाइनेंसियल प्लानर्स का कहना है कि डेट म्यूचुअल फंडों से इंडेक्सेशन बेनिफिट हटाने के बाद इसमें निवेश करने का टैक्स लाभ खत्म हो गया है। इस वजह से डेट फंडों में पैसा कम आ रहा है। इसलिए लोग अब इक्विटी की तरफ आकर्षित हो रहे हैं।

लोगों में ऐसे बढ़ रहा निवेश का आकर्षण

फंड हाउसेज का मानना है कि पिछले चार वर्षों में शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी आई है। इस दौरान कोई बड़ी गिरावट नहीं देखी गई। इसी वजह से लोग शेयर बाजार में निवेश करने के लिए आकर्षित हुए हैं। दिसंबर 2020 से अप्रैल 2024 तक निफ्टी-50 में 72%, निफ्टी मिडकैप-150 में 151% और निफ्टी स्मॉलकैप-250 में 178% की वृद्धि हुई। शेयर बाजार में इतनी तेजी के चलते लोगों की म्यूचुअल फंडों में निवेश करने का रुझान बड़ी तेजी से बढ़ा है। बाजार की चाल ऐसी ही रही तो यह निवेश और बढ़ेगा। लोग महंगाई को मात देने के लिए इक्विटी में निवेश को सबसे बेहतर मानकर चल रहे हैं।

बैंकों में ब्याज दर

बैंक	ब्याज दर
एक्सिस बैंक	5.75%-7.00%
एसबीआईः	4.75%-6.50%
एचडीएफसी	4.50%-7.00%
आईसीआईसीआई	4.50%-6.90%
केनरा बैंक	5.50%-6.70%
बैंक ऑफ बड़ौदा	5.50%-6.50%
पीएनबी	4.50%-6.50%
आईडीबीआई	4.50%-4.80%
इंडियन बैंक	3-50%-6.10%
यस बैंक	4.75%-7.00%
डाकघर	6.90%-7.50%
आईडीएफसी	4.50%-7.00%

स्वीप-इन-एफडी, जब जरूरत हो निकालें रुपये व ब्याज भी बढ़िया

स्वीप-इन-एफडी एक ऑटो-स्वीप सर्विस होती है सेविंग्स अकाउंट में जो भी एक्स्ट्रा पैसे होते हैं, उन्हें एफडी में ट्रांसफर किया जाता है, इसमें ब्याज दर किसी भी सामान्य एफडी के समान ही होती है

मनी मंत्रा
बिजनेस डेस्क

अगर बात निवेश की आती है तो ट्रेडिशनल फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) सबसे सुरक्षित निवेश माना जाता है। एफडी की बात करें तो यह सेविंग्स अकाउंट से अधिक या तकरीबन डबल ब्याज देता है। बैंकों के सेविंग्स अकाउंट पर जहां 3.5 से 4 फीसदी सालाना के हिसाब से ब्याज मिल रहा है, वहीं फिक्स्ड डिपॉजिट पर 7 से 8 फीसदी ब्याज दर है। हालांकि एफडी में एक तय समय के लिए पैसा ब्लॉक हो जाने से तुरंत लिक्विडिटी की सुविधा नहीं मिलती है। इस वजह से बहुत से लोग सेविंग्स अकाउंट में पैसे पड़े रहने देते हैं। लेकिन अगर आप लिक्विडिटी के साथ हाई इंटरेस्ट रेट चाहते हैं तो आपके लिए स्वीप इन एफडी बेहद काम आ सकती है। स्वीप-इन-एफडी एक ऑटो-स्वीप सर्विस होती है। इसके तहत आपके सेविंग्स अकाउंट में जो भी एक्स्ट्रा पैसे होते हैं, उन्हें एफडी में ट्रांसफर कर दिया जाता है। इसमें एफडी के बराबर ब्याज मिलता है।

लक्ष्य तक पहुंचाने में करेगी मदद

एफडी की स्वीप-इन सुविधा निवेशक को बैंक खाते में अतिरिक्त धनराशि को एफडी अकाउंट में ट्रांसफर करने की अनुमति देता है। कहने का मतलब है कि स्वीप-इन-एफडी एक ऑटो-स्वीप सर्विस होती है। इसके तहत आपके सेविंग्स अकाउंट में जो भी एक्स्ट्रा पैसे होते हैं, उन्हें एफडी में ट्रांसफर कर दिया जाता है। यानी यह एक प्रकार का फिक्स्ड डिपॉजिट है जो निवेशकों को अपने बचत खाते से अतिरिक्त धनराशि को आटोमैटिक रूप से एफडी खाते में ट्रांसफर करने की अनुमति देता है। इसमें जहां एफडी के बराबर ब्याज मिलता है, वहीं इमरजेंसी में भी तुरंत आप अपने फंड तक पहुंच सकते हैं।

पैसे निकालने का नियम

आम तौर पर स्वीप-इन एफडी अपनी मैच्योरिटी से पहले स्वीप-इन एफडी से पैसा निकालते समय लास्ट इन फर्स्ट आउट (एलआईएफओ) मेथड का उपयोग करते हैं। मतलब है कि अगर बचत खाते में बैलेंस चेक या एसआईपी के भुगतान के लिए जरूरी धनराशि से कम है, तो एलआईएफओ मेथड से स्वीप-इन एफडी से राशि निकाल ली जाती है। यानी स्वीप-इन एफडी आकर्षक ब्याज दर के साथ हाई लेवल की लिक्विडिटी प्रदान करता है। अगर आप अक्सर पैसा निकालते हैं, तो निकाली गई राशि पर उतना ही ब्याज मिलेगा, जितने दिन वह निवेश रहा है। इसके माध्यम से एफडी में निवेश की गई राशि को पूरी एफडी तोड़े बिना निकाला जा सकता है।

तय करनी होती है लिमिट

स्वीप-इन-एफडी के लिए आपको पहले अपने अकाउंट के लिए एक थ्रेसहोल्ड लिमिट तय करनी होगी। इस लिमिट से ज्यादा पैसे एक्स्ट्रा पैसे माने जाएंगे। वैसे तो बैंक ही स्वीप थ्रेसहोल्ड लिमिट तय करना है, लेकिन अकाउंट होल्डर को जरूरत के हिसाब से इसे कस्टमाइज करने का विकल्प भी देता है। यह वह लिमिट होती है, जिससे अधिक पैसे होने पर वह अमाउंट खुद ही एफडी अकाउंट में ट्रांसफर हो जाता है। इस तरह से आपने जो लिमिट तय की है, उसे इमरजेंसी फंड के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं, वहीं एक्स्ट्रा फंड पर आपको एफडी वाला ब्याज मिलने लगेगा।

अवधि और कम से कम निवेश

स्वीप इन एफडी की अवधि 1 साल से 5 साल की होती है। वहीं, बैंक आम तौर पर बचत खाते से स्वीप-इन एफडी में 1 हजार रुपये के मल्टीपल में रकम ट्रांसफर करते हैं। कुछ बैंक निवेशकों के निर्देश के अनुसार 1 रुपये से 1000 रुपये की रेंज में ट्रांसफर की भी अनुमति देते हैं।

कितनी है ब्याज दर: स्वीप-इन एफडी खाते के लिए ब्याज दर किसी भी सामान्य एफडी के समान होती है। यह निवेश की अवधि पर निर्भर करता है। जैसे एफडी में अलग-अलग अवधि के लिए अलग ब्याज दरें होती हैं।

एसआईपी पॉज वह सुविधा है, जिसमें अचानक फ्राइनेंशियल क्राइसिस आ जाए तो आपको एसआईपी बंद करने की बजाए, इसे कुछ दिन रोकने की सुविधा मिल जाती है। कुछ फंड हाउस ने इसे 6 महीने तक बढ़ा दिया है। इससे आपको अपने लक्ष्य तक पहुंचने में मदद मिलेगी और आप पैसों की तंगी होने पर भी आपनी एसआई को चालू रख पाएंगे।

एसआईपी में पॉज सुविधा तंगी में करेगी बड़ी मदद

सुझाव
बिजनेस डेस्क

आज के दौर में लंबी अवधि के लिए निवेश करने का एक प्रभावी तरीका सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) है। एसआईपी लंबी अवधि में दौलत बनाने का वह तरीका है, जहां एक बार में फंड ब्लॉक करने की बजाए हर महीने छोटी-छोटी रकम निवेश करने की सुविधा मिलती है। अगर एसआईपी के जरिए अनुशासित रूप से रेगुलर निवेश किया जाए तो लंबी अवधि में बड़ा कॉर्पस बनाया जा सकता है, लेकिन कुछ मामलों में ऐसा भी हो सकता है कि अचानक से पैसों की तंगी आ जाए। यह कह सकते हैं परिस्थियां अचानक बदल जाएं और एसआईपी करने की रकम का इंतजाम न हो पाए। इन्हीं परिस्थितियों के लिए म्यूचुअल फंड हाउस 'एसआईपी पॉज' की सुविधा देते हैं।

एसआईपी में क्या है 'पॉज' सुविधा

एसआईपी पॉज वह सुविधा है, जिसमें अगर आपके सामने अचानक फ्राइनेंशियल क्राइसिस आ जाए तो आपको एसआईपी बंद करने की बजाए, इसे कुछ दिन रोकने की सुविधा मिल जाती है। पहले यह सुविधा 1 से 3 महीने की थी, लेकिन अब कुछ फंड हाउस ने इसे 6 महीने तक बढ़ा दिया है। अगर आप 6 महीने के लिए एसआईपी 'पॉज' का विकल्प लेते हैं तो 6 महीने बाद एसआईपी की रकम आपके खाते से खुद ही कटने लगेगी। इस पर कोई अतिरिक्त ब्याज नहीं भी देना होगा। यानी आपकी एसआईपी बंद नहीं होगी, लक्ष्य पूरा हासिल करने के लिए आप इसे 6 महीने एक तरह से और एक्सटेंड कर देते हैं।

कब चुन सकते हैं विकल्प

फाइनेंशियल क्राइसिसः चुनौतीपूर्ण समय के दौरान, जैसे मेडिकल इमरजेंसी, नौकरी छूटना, या अचानक खर्च आने पर एसआईपी पॉज आपको वित्तीय रूप से राहत दे सकती है। इससे जो रकम बच रही है, उसका इस्तेमाल ज्यादा जरूरी मामलों के लिए कर सकते हैं।

करियर में बदलावः कई बार नौकरी में बदलाव करना पड़ता है, या नौकरी से कुछ महीने की रेस्ट लेकर हायर एजुकेशन का प्लान होता है, या कुछ नया बिजनेस शुरू करने का प्लान हो सकता है, जिससे खर्च बढ़ जाता है। इन कंडीशंस में भी एसआईपी पॉज का विकल्प ले सकते हैं।

व्यक्तिगत आवश्यकताएंः शादी विवाह, घर खरीदने या फैमिली से जुड़े अन्य किसी इवेंट पर खर्च बढ़ जाए तो एसआईपी पॉज से कुछ महीने वित्तीय रूप से कुछ राहत जरूर मिल सकती है।

क्या करना होगा

एसआईपी 'पॉज' की सुविधा लेना चाहते हैं तो एसेट मैनेजमेंट कंपनी यानी एएमसी को मेल के जरिए जानकारी दे सकते हैं। कंपनी कितने दिनों की पॉज सुविधा देती है, उसी हिसाब से आपको 'पॉज' करने की रिक्वेस्ट डालनी होगी। यानी अगर कंपनी 1 से 6 महीने के लिए यह सुविधा दे रही है तो आप कम से कम 1 महीने और ज्यादा से ज्यादा 6 महीने के लिए ही एसआईपी पॉज कर सकते हैं। मेल में आपको अपने फोलियो नंबर की जानकारी देनी होगी, जिसके बाद कंपनी आपको यह सुविधा देगी। 'पॉज' पीरियड खत्म होने के बाद एसआईपी जारी हो जाएगा।

निवेश बंद करना समझदारी नहीं

अगर किसी तरह की वित्तीय परेशानी आए और आपको लगता है कि आगे चीजें सुधरेंगी तो एसआईपी बंद नहीं करना चाहिए। इसके बजाए आप एसआईपी पॉज की सुविधा ले सकते हैं। इससे आपके निवेश का लक्ष्य प्रभावित नहीं होता है। इसका एक उदाहरण कोविड 19 का दौर है, जब बहुत से लोगों को फाइनेंशियल क्राइसिस आई थी। उस दौरान जिन्होंने यह सुविधा लेकर बाद में फिर एसआईपी चालू किया, उन्हें जबरदस्त फायदा हुआ था। क्योंकि कोविड 19 के बाद बाजार में रिकवरी शुरू हुई तो यह बहुत लंबी चली।

ऑफर देख ललचाएं नहीं, हो सकता है बड़ा नुकसान

- नो कॉस्ट ईएमआई के चक्कर में न पड़ें, जरूरत हो तो ही खरीदें सामान
- नो-कॉस्ट या जीरो-कॉस्ट ईएमआई के ऑफर बेहद लुभावने दिखते हैं
- ऐसे नो-कॉस्ट ऑफर्स के पीछे भी कई बार बड़ी लागत छिपी होती है

प्लान
बिजनेस डेस्क

बजार में जाएं तो पहले यह तय कर लें कि जो सामान आप खरीदने जा रहे हैं उसकी आपको जरूरत भी है या नहीं, जिस सामान की जरूरत हो उसे ही खरीदें। बाजार में ऑफर्स देखकर मन ललचाएं नहीं। वरना यह लालच आपको भारी पड़ सकता है। कई बार तो आपके आर्थिक संकट को बढ़ा देता है। नो-कॉस्ट ईएमआई या जीरो-कॉस्ट ईएमआई के ऑफर पहली नजर में बेहद लुभावने दिखते हैं। आमतौर पर ऑनलाइन शॉपिंग के दौरान बैंकों या क्रेडिट कार्ड कंपनियों की तरफ से दिए जाने वाले ऐसे कई ऑफर आपने भी देखे होंगे। कई बार ऑफलाइन शॉपिंग में भी ऐसे ऑफर दिए जाते हैं, लेकिन जरूरी नहीं कि ऐसे ऑफर वाकई में उतने फायदेमंद हों, जितने आप समझ रहे हैं। ऐसा इसलिए कि ऐसे बहुत सारे ऑफर्स असल में पूरी तरह नो-कॉस्ट या जीरो कॉस्ट नहीं होते। सुनने में काफी आकर्षक लगने वाले ऐसे ऑफर्स के पीछे भी लागत छिपी होती है। गहराई से देखने पर पता चलता है कि इन ऑफर्स में भी दरअसल कई तरह की लागतें छिपी होती हैं। इसलिए अगर आप भी ऐसे किसी ऑफर का फायदा उठाकर खरीदारी करने की सोच रहे हैं, तो पहले इस बारे में पूरी जानकारी हासिल कर लें। इसके बाद ही कार्ड से खरीदी करें।

रेगुलर ईएमआई वर्सिज नो-कॉस्ट ईएमआई

जब आप कोई सामान ईएमआई के जरिए खरीदते हैं, तो दरअसल आप एक कर्ज ले रहे होते हैं, जिसे मासिक किस्त के रूप में चुकाना होता है। रेगुलर ईएमआई में इस किस्त का कुछ हिस्सा मूल धन का और बाकी ब्याज का होता है। इसके अलावा आपको शुरुआत में लोन प्रॉसेसिंग फीस भी देनी पड़ सकती है। साथ ही, हर बार ईएमआई का पेमेंट करते समय आपको गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) का भुगतान भी करना होता है। नो-कॉस्ट ईएमआई के मामले में भी आमतौर पर ग्राहक को ईएमआई के साथ ब्याज तो देना पड़ता है, लेकिन विक्रेता या ऑनलाइन शॉपिंग पोर्टल की तरफ से उतनी ही रकम आपको पहले ही डिस्काउंट के तौर पर दे दी जाती है। यानी ग्राहक ईएमआई के साथ जो ब्याज भरता है, उसकी भरपाई डिस्काउंट के तौर पर पहले कर दी जाती है।

नो-कॉस्ट ईएमआई की छिपी हुई लागत

नो-कॉस्ट ईएमआई में ब्याज के बराबर की रकम भले ही डिस्काउंट के तौर पर पहले से मिल जाती है, लेकिन ग्राहकों को बैंकों या फाइनेंसिंग कंपनियों को प्रॉसेसिंग फीस चुकानी पड़ सकती है। साथ ही ईएमआई के साथ जीएसटी का भुगतान भी करना होता है, जो ग्राहकों के नजरिये से एक लागत ही है। जीएसटी की रकम ब्याज के 18% के बराबर होती है। इसके अलावा प्री-क्लोजर फीस, प्री-पेमेंट पेनाल्टी, लेट पेमेंट चार्ज जैसे कई और खर्चे भी जुड़े हो सकते हैं, लेकिन बहुत सारे ग्राहक इन छिपी हुई लागतों पर ध्यान दिए बिना ही खरीदारी कर लेते हैं। इसलिए अगली बार आप जब भी नो-कॉस्ट-ईएमआई स्कीम के जरिए कोई खरीदारी करने के बारे में सोचें, तो इन छिपी हुई लागतों को भी जरूर ध्यान में रखें। इससे आपको निवेश करने में आसानी रहेगी।

जानकारी अगर आप एक नौकरीपेशा महिला हैं तो घर कैसे खरीदें, बनाना होगा प्लान

खुद का घर वित्तीय स्वतंत्रता की दिशा में सबसे बड़ा कदम

अधिक से अधिक महिलाएं घर की मालकिन बन रही 60% महिलाएं अब आवास को पसंदीदा निवेश मान रही

गौरव मोहता
सीएमओ, होमफर्स्ट

घर खरीदना हर किसी का सपना होता है। सभी चाहते हैं कि समय रहते घर खरीद लिया जाए। खुद के घर का मालिक होना जीवन में स्थिरता के साथ-साथ वित्तीय स्वतंत्रता की दिशा में एक बड़ा कदम माना जाता है। इसलिए, वर्तमान युग में, अधिक से अधिक महिलाएं घर की मालकिन बन रही हैं और उन्हें इस पर गर्व है। मूलतः इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है। मार्च 2024 में एनारॉक के एक उपभोक्ता सर्वेक्षण के अनुसार, 60 प्रतिशत से अधिक महिलाएं अब आवास को पसंदीदा निवेश परिसंपत्ति वर्ग के रूप में मानती हैं। वर्तमान रुझान यह भी संकेत देते हैं कि कम संख्या के बावजूद, कर्जदार महिलाएं अपने वित्तीय दायित्वों में बहुत नियमित हैं, और अपने दायित्वों को पूरा करने के बारे में अधिक सजग और इमानदार भी हैं। सफल और विश्वसनीय ग्राहकों के इस फैल रहे वर्ग को और बढ़ावा देने के लिए अधिक से अधिक वित्तीय संस्थान महिलाओं के लिए विशेष ऑफर पेश कर रहे हैं।

महिलाओं के लिए महत्वपूर्ण

उच्च ऋण पात्रता : यदि महिलाएं अपने पति या परिवार के किसी अन्य सदस्य के साथ सह-आवेदक के रूप में पंजीकरण कराती हैं तो वे बेहतर एलटीवी (मूल्य पर ऋण) के लिए अर्हता प्राप्त करती हैं। इसलिए, उन्हें बहुत कम डाउन पेमेंट देना पड़ता है और संपत्ति चयन में बहुत लचीले विकल्प उन्हें मिलते हैं।

कम ब्याज दर : महिलाएं अपनी वित्तीय प्रतिबद्धता के बारे में बहुत अनुशासित होती हैं और नियमित रूप से वित्तीय किश्तों का भुगतान करती हैं, यह बात विभिन्न अध्ययनों और बाजार के रुझानों से पता चला है। इसलिए, वित्तीय संस्थानों को उन्हे रियायती दरों पर ऋण देना बहुत सुविधाजनक लगता है।

आयकर लाभ

महिलाएं धारा 80 सी के तहत मूलधन पर 1.5 लाख रुपये तक और ब्याज पर 2 लाख रुपये तक आयकर लाभ का दावा कर सकती हैं। एक शादीशुदा जोड़ा ऋण भुगतान और उसी संयुक्त गृह ऋण पर भुगतान किए गए ब्याज पर कर कटौती प्राप्त कर सकता है।

यदि आप जल्द से जल्द अपने ऋण का भुगतान करने के लिए परेशानी मुक्त तरीके की तलाश कर रहे हैं, तो हम जल्द से जल्द कर्ज से छुटकारा पाने के लिए नीचे बताए गए सही तरीके से आपकी मदद कर रहे हैं।

ऋण का अवधि छोटी रखें

क्या आपने कभी यह कहावत सुनी है कि टाईम इज मनी? यही बात ऋण के लिए भी लागू होती है। यदि आप ऋण के लिए लंबी अवधि चुनते हैं, तो आप अपने बैंक, वित्तीय संस्थान को अधिक ब्याज दे रहे हैं। हालांकि शुरुआत में ईएमआई की राशि बड़ी और परेशान करने वाली लग सकती है, लेकिन जैसे-जैसे आपका नौकरी का अनुभव और आय बढ़ती है, समय के साथ इन अल्पकालिक ऋण किस्तों का भुगतान करना आपके लिए आसान हो जाएगा।

बड़ा अग्रिम भुगतान करें

हम दोहरे लाभ के साथ एक टिप दे रहे हैं। एक बड़ा अग्रिम भुगतान स्वचालित रूप से आपके वित्तीय संस्थान से आवश्यक ऋण राशि को कम कर देता है। यह आपके ऋणदाता को आपकी वित्तीय स्थिति के बारे में विश्वास जताता है और साथ-साथ आश्वस्त भी करता है। यह लाभ कम ब्याज दर शुल्क में तब्दील हो सकता है।

प्रीपेमेंट करते रहें, चाहे कितना भी छोटा हो

भले ही प्रीपेमेंट राशि एक छोटा सा हिस्सा हो, यह आपकी ईएमआई के साथसाथ एक अतिरिक्त राशि के रूप में भुगतान किया जाता है। जैसे ही आप अपनी मासिक ईएमआई का भुगतान करते हैं, प्रीपेड राशि पूरी तरह से आपके मूलधन से काट ली जाती है और इस प्रकार चुकाए जाने वाले ऋण की मूल राशि खुद ब खुद कम हो जाती है। वास्तव में उस कम हुए मूल राशि पर ब्याज लगता है। परिणामस्वरूप आपका ऋण जल्दी समाप्त हो जाता है। कुछ वित्तीय संस्थान, बैंक ऑटो प्रीपे सुविधा भी प्रदान करते हैं। यह एक ऑटो डेबिट सुविधा है और एक बार जब आप इसे हर महीने के लिए सक्रिय कर लेते हैं, तो अपने ऋण को चुकाने के लिए आपके खाते से प्रीपेमेंट के रूप में 1000 रुपये का छोटा भुगतान भी किया जा सकता है। यह छोटी सी रकम आपको लाखों रुपये बचाने में मदद कर सकती है।

आइए गणित को समझें

मान लीजिए कि पूजा नाम की एक महिला 10 प्रतिशत की ब्याज दर पर 20 साल के लिए 10,00,000 रुपये का ऋण लेती है। लोन की ईएमआई की गणना करने का फॉर्मूला $P \times r \times (1+r)n/((1+r)n-1)$ है। इस फॉर्मूले का उपयोग करके, पूजा के लिए ईएमआई की रकम 9,650 रुपये आती है। जब वह पहली ईएमआई कुल 9,650 रुपये का भुगतान करती है, तो उसमें से 1,317 रुपये कुल मूल राशि यानी ऋण की 10,00,000 रुपये से काट लिए जाते हैं और शेष 8,333 रुपये को ब्याज भुगतान के रूप में माना जाता है।

खबर संक्षेप

चोरों ने ट्यूबवेल से काटी केबल

महेंद्रगढ़। गांव ढाढोत में तीन किसानों के ट्यूबवैल से अज्ञात चोर केबल काटकर ले गए है। किसानों ने पुलिस थाने में शिकायत देकर केबल बरामद करने व चोरों को पकड़ने की मांग की है। पुलिस ने केस दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। किसान दयाराम ने पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि वह गांव ढाढोत का रहने वाला है। उसके दो ट्यूबवैल सोहला गांव की सीमा में पड़ते है। 26 मई को दोनों ट्यबवैल से अज्ञात चोर केबल चोरी करके ले गए हैं। इसी दिन उसके पास के ट्यूबवैल रामौतार वासी सोहला की भी केबल चोरी हो गई। अब तक हम अपने तौर पर इस चोरी के बारे मे पता करते रहे। इसके अलावा 30 मई को भी गांव सोहला के लीलू सिंह के ट्यबवैल से भी चोरी हो गई।

दो युवकों से अवैध शराब बरामद की

कनीना। शहर थाना पुलिस ने नाकाबंदी कर बाइक सवार युवकों से दो पेटी अवैध देसी शराब बरामद की है। थाना इंचार्ज निरीक्षक सुधीर कुमार ने बताया कि बाइक सवार दो युवक कोसली से कनीना की ओर शराब लेकर जा रहे थे। कनीना बस स्टैंड के पास लगे नाके पर पुलिस टीम ने जांच की तो प्लास्टिक बैग में दो गत्ता पेटी बरामद हुई। जिसकी जांच की तो उसमें 12-12 बोतल शराब बरामद हुई। आरोपित युवकों की पहचान कमल व सूरज निवासी बुचावास के रूप में हुई है। पुलिस ने बाइक सवार दोनों युवकों को काबू कर आबकारी अधिनियम के तहत केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

किसान के खेत से वाटर पंप चोरी

महेंद्रगढ़। गांव जांजड़ियावास में एक किसान के खेत से चोर वाटर पंप सैट चोरी करके ले गए हैं। पीड़ित किसान ने पुलिस थाने में शिकायत देकर चोर को पकड़ने की मांग की हैं। पुलिस ने पीड़ित किसान की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। किसान बलराम ने पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि वह गांव जांजड़ियावास का निवासी हैं। उसने अपने खेत में सिंचाई के लिए होंडा कंपनी के पांच एचपी के वाटर पंप लगा रखे हैं। 30 मई को सात बजे अपने खेत में वाटर पंप से सिंचाई करके घर आ गया था, फिर शाम को सिंचाई करने खेत गया तो वाटर पंप नहीं थे।

मीठे पानी की छबील लगाकर मनाया जन्मदिन

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव राता कलां गांव निवासी आर्य विद्वान विद्यासागर ने अपनी पोती के जन्मदिन पर हवन यज्ञ आयोजित कर राहगीरों के लिए मीठे पानी की छबील लगाकर बेटा-बेटी में समानता का संदेश दिया है। इस मौके पर अतर लाल एडवोकेट ने महिला शिक्षा पर जोर देते हुए बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान में बढ़-चढ़ कर भाग लेने की अपील की। इस दौरान श्रद्धालुओं ने सनातन वैदिक धर्म के प्रचार प्रसार के उल्लेखनीय योगदान के लिए स्वामी हंसमुनि महाराज को शॉल ओढ़ाकर तथा प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर हरदयाल सिंह प्रधान, दान सिंह प्रधान, कर्मबीर सिंह पहलवान, हरदूल सिंह, धर्मबीर, हरिसिंह, हरिप्रताप, राजेश, विद्यासागर, मुस्कान, नक्ष, बाबूलाल, ओमप्रकाश आर्य, डॉ नरेंद्र व सुभाष सिंह सहित अनेक गणमान्य तथा श्रद्धालुओं उपस्थित थे।

कन्या के जन्म पर किया कुआं पूजन

मंडी अटेली। गांव राजपुरा में एक परिवार में दंपती को बेटी होने पर उसका कुआं पूजन रिश्तेदारों का प्रतिभोज कर खुशियां मनाई। मोहनलाल के पड़ोती होने पर उसके पोते देवेंद्र व उसकी अंजनी ने उनके पुत्री होने पर पहले छठी मनाई और अब बैंडबाजे के साथ महिलाएं परंपरागत गीत गाते हुए कुआं पूजन किया। लड़की के पिता देवेंद्र ने बताया कि बच्ची का नामकरण लोकप्रिया रखा गया। शुरू से ही परिवार ने निर्णय लिया हुआ था कि चाहे लड़का हो लड़की, उनमें किसी प्रकार भेद नहीं किया जाएगा। लड़की ने नौ मई को जन्म लिया, उसी दिन परिवार ने कार्यक्रम करने का फैसला किया था।

नगर पालिका की ओर से पिछले दिनों लगवाई गई ट्रैफिक लाइटें भी हो चुकी बंद

सोहना-धारूहेड़ा हाईवे पर हालात बदतर, गर्मी में फूल रही लोगों की सांस

- 6 किलोमीटर की दूरी तय करने में लग रहा 30 से 40 मिनट तक का समय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धारूहेड़ा

कस्बे की लाइफ लाइन कहे जाने वाला रेवाड़ी-सोहना-पलवल नेशनल हाइवे नंबर 919 वर्तमान में अतिक्रमण और जाम की समस्या से जूझ रहा है।

जाम के कारण भीषण गर्मी में सड़क पर लोगों की सांस फूल रही है। वाहन चालकों को धारूहेड़ा से राजस्थान के भिवाड़ी तक 6 किलोमीटर की दूरी के सफर को तय करने में कई बार तो 30 से 40 मिनट तक लग जाते हैं। हाइवे की सड़क कई जगह से बदतर हालात में आ चुकी है। सड़क पर बने भरी-भरकम गड्ढों के कारण वाहन चालकों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। यातायात को व्यवस्थित करने के लिए कुछ माह पूर्व नगर पालिका की ओर से लगवाई गई ट्रैफिक लाइटें भी बंद पड़ी हुई है। इस बढ़ती समस्या की ओर से प्रशासन कोई ध्यान नहीं दे रहा है। इस स्थिति में राहगीरों को आए दिन आवागमन करने में परेशानी हो रही है। जब भी कोई त्योहार आता है तो सबसे ज्यादा जाम इसी मार्ग पर देखने को मिलता है। बीते दिनों त्योहारी सीजन में भी पूरा शहर जाम से कराहता रहा, लेकिन व्यवस्था बनाने के लिए कोई भी नजर नहीं आया।

रेवाड़ी। सोहना-पलवल हाइवे पर लगा जाम। फोटो : हरिभूमि

जाम का मुख्य कारण बन रहा अतिक्रमण

हाइवे पर जाम का मुख्य कारण सड़क किनारे दोनों ओर लगी रेहड़ी व फड़ी है। दुकानदार भी व्यवस्था बिगाड़ने में अछूते नहीं है। दुकानदारों ने दुकानों के आगे अपना सामान रखकर हद से ज्यादा अतिक्रमण किया हुआ है। इसके अलावा सामान के आगे सड़क पर वाहन खड़े किए जा रहे है। मार्केट में शॉपिंग करने आने वाले लोग भी सड़क पर ही वाहन खड़ा करके व्यवस्था को और भी ज्यादा बिगाड़ रहे है, जिसके कारण हमेशा जाम की स्थिति बनी जाती है। ऑटो चालक भी बीच रास्ते में ऑटो को खड़ा करके सवारियों का इंतजार करते रहते हे। हालांकि माग्र पर ट्रैफिक पुलिस के दो जवान हमेशा तैनात रहते है, लेकिन व्यवस्था फिर भी बिगड़ती जा रही है।

फ्लाईओवर के नीचे भी अतिक्रमण

हाइवे पर यातायात का भार अधिक होने और ऑटो चालकों की मनमर्जी के के कारण जाम की स्थिति बन रही है। ई-रिक्शा और ऑटों चालकों ने मुख्य सड़क को ही स्टैंड बना लिया है। इसे रोकने वाला भी कोई नहीं है। इसके साथ-साथ बस स्टैंड के फ्लाईओवर के नीचे व सामने दुकानों के आगे कुर्सी-बेंच लगाकर सड़क पर अतिक्रमण करके दुकानदारी की जा रही है। ट्रैफिक लाइटों को सही करवाने के लिए पत्र लिखा है।

अतिक्रमण हटाना नपा का काम

लोगों को जाम से मुक्ति दिलाने के लिए अतिक्रमण हटाने का काम नगर पालिका का है। पुलिस की आवश्यकता पड़ने पर नगर पालिका को ही व्यवस्था करनी होगी। सोहना-पलवल-रेवाड़ी नेशनल हाइवे व नंदरामपुर बास दोनों मार्गो को करीब 200-200 फीट चौड़ा करके खुशखेड़ा व भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र तक चौड़ा कर ग्रीन बेल्ट करने की योजना है, लेकिन लंबे समय से जाम की परेशानी से जूझ रहे धारूहेड़ा के लोग चाहते हैं,यह दोनों सड़क बिना देरी के जल्द चौड़ी हो जाए ताकि लोगों को समस्या से निजात मिल सकें।

भिवानी बोर्ड ने मानी गलती, छात्रा के दसवीं रिजल्ट में बढाए अंक

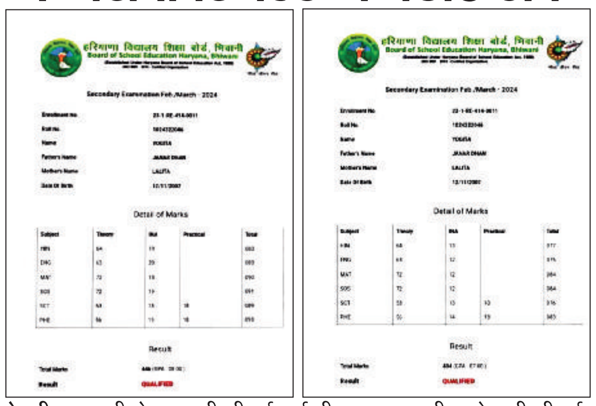
रेवाड़ी। छात्रा की दोबारा जारी की गई मार्कशीट तथा छात्रा की पहले जारी की गई मार्कशीट। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

मोहल्ला कुतुबपुर निवासी छात्रा योगिता एक निजी स्कूल में नियम 134-ए के तहत शिक्षा ग्रहण करती आ रही थी। छात्रा ने इस वर्ष कक्षा दसवीं की परीक्षा हरियाणा शिक्षा बोर्ड भिवानी से दी थी। छात्रा मेधावी बच्चों की श्रेणी में आती है। पिछले माह 13 मई को हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी ने दसवीं कक्षा का रिजल्ट जारी किया था। छात्रा योगिता ने अपना रिजल्ट ऑनलाइन चैक किया तो पाया कि उसके सभी विषयों में 80 नंबर के लिखित एग्जाम में लगभग 95 प्रतिशत नंबर दिए हुए हैं और स्कूल की ओर से भेजे जाने वाले 20 नंबर में से बोर्ड ने विषय में 10 नंबर लगाए हुए है। छात्रा ने समस्या के समाधान के लिए अधिवक्ता कैलाश चंद से सम्पर्क किया तथा अधिवक्ता के माध्यम से स्कूल के खिलाफ, जिला शिक्षा अधिकारी और हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड को कानूनी नोटिस भेजकर अंक सुधार करने की मांग की। इसके लिए शिक्षा बोर्ड भिवानी को 15 दिन का समय दिया था कि वह अंक सुधार करके दोबारा से रिजल्ट जारी करे। एडवोकेट की ओर से भेजे गए नोटिस की प्राप्ति के 15 दिन पहले ही हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी ने अपनी गलती को मानते हुए रिजल्ट को दुरुस्त करते हुए छात्रा के अंक 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 95 प्रतिशत के लगभग कर दिए है। छात्रा का रिजल्ट भी दोबारा जारी कर दिया गया है।

चार जून को मतगणना केंद्रों पर रहेगा धारा-144 का पहरा

- 200 मीटर क्षेत्र में 5 या उससे अधिक व्यक्तियों के एकत्रित होने पर पूर्णतया प्रतिबंध रहेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिलाधीश राहुल हुड्डा ने लोकसभा आम चुनाव की मतगणना को लेकर जैन पब्लिक स्कूल व राजकीय महिला महाविद्यालय सेक्टर-18 में बने मतगणना केंद्रों पर मतगणना के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए धारा-144 लगाकर मतगणना क्षेत्र को रेड जोन घोषित किया हैं। जिलाधीश की ओर से जारी आदेशों के तहत मतगणना केंद्रों के आस-पास के 200 मीटर क्षेत्र में 5 या उससे अधिक व्यक्तियों के एकत्रित होने पर पूर्णतया प्रतिबंध रहेगा। मतगणना केंद्रों के अंदर हथियार व अन्य ज्वलनशील सामग्री, मोबाइल, आईपैड, लैपटॉप व अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस ले जाने पर पूर्णतया प्रतिबंध रहेगा। ड्रोन नियम-2021 के तहत जिले में ड्रोन-ग्लाइडर का उपयोग करने व उड़ाने पर प्रतिबंध रहेगा। मतगणना क्षेत्र को रेड जोन तथा मतगणना केंद्रों के 100 मीटर क्षेत्र को पैदल क्षेत्र घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि यह आदेश ड्यूटी पर नियुक्त पुलिस तथा अन्य सरकारी विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों पर लागू नहीं होंगे। यदि कोई व्यक्ति आदेशों की अवहलेना करता हे तो भारतीय दण्ड प्रक्रिया संहिता 1860 की धारा 188 के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

30 वर्ष की सेवा के बाद कर्मचंद हुए सेवानिवृत्त

महेंद्रगढ़। राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल ढाढोत में शुक्रवार को सेवानिवृत्ति समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूल में चौकीदार के पद पर कार्यरत कर्मचंद सिंह को सभी स्टाफ सदस्यों ने मिलकर स्मृति चिह्न भेंटकर उन्हें सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य अजीत सिंह मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित थे, कार्यक्रम की अध्यक्षता गांव के सरपंच बिजेंद्र सिंह ने की, जबकि मंच संचालन राजेश झाडली ने किया।

गणित प्रवक्ता सतन सिंह ने बताया कि कर्मचंद सिंह अपने 30 साल के कार्यकाल के दौरान उन्होंने पूरी ईमानदारी व निष्ठा के साथ अपनी सेवा दी।

सुप्रीम कोर्ट में स्पेशल लोक अदालत का आयोजन 29 जुलाई से 3 अगस्त तक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सुप्रीम कोर्ट की ओर से आगामी 29 जुलाई से 3 अगस्त तक न्यायालय में लंबित मामलों के निपटारे के लिए विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। सर्वोच्च न्यायालय में लंबे समय से चलने वाले केस से संबंधित पार्टियां यदि विशेष लोक अदालत के सामने रखना चाहती है तो वह 28 जुलाई से पहले स्थानीय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में संपर्क कर सकती हैं। सीजेएम एवं सचिव जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण अमित वर्मा ने बताया कि स्थानीय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में ऑनलाइन या हाइब्रिड मोड के माध्यम से प्री-कंसिलीएटॉरी बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें पार्टियों के मध्य सुलह की संभावनाओं को परखते हुए ऐसे मामलों पर आगामी कार्रवाई की जाएगी। जिन मामलों में पार्टी सरकार है, ऐसे मामले विशेष लोक अदालत में निपटाए जाने की संभावना है।

अदालत में इन मामलों को किया जाएगा शामिल

सीजेएम ने बताया कि स्पेशल लोक अदालत में श्रम मामले, चेक बाउंस मामले सेक्शन-138 एनआई एक्ट, दुर्घटना क्लेम मामले, उपभोक्ता संरक्षण मामले, स्थानान्तरण याचिकाएं सिविल एवं अपराधिक, धन-वसूली से संबंधित मामले, आपराधिक मिश्रित मामले, अन्य मुआवजा संबंधी मामले, पारिवारिक कानूनी मामले सेवाओं से संबंधित मामले, किराया संबंधी मामले, शैक्षणिक मामले, भरण-पोषण संबंधित मुद्दे, बंधक मामले, भूमि विवाद मामले व अन्य सिविल मामले शामिल किए जाएंगे। इस बारे में अधिक जानकारी के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में सम्पर्क या उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति की वेबसाइट पर विजिट कर सकते है।

सस्ता लोन देने के नाम पर ठगी, एक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

साइबर ठग ने इंस्टाग्राम पर सस्ते लोन का झांसा देकर गांव जोनावास निवासी व्यक्ति को 5763 रुपये की चपत लगा दी थी। पीड़ित व्यक्ति ने साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर अपनी शिकायत दर्ज करवाई थी। साइबर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच कर मामला दर्ज कर मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपिता को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान तुलसी वासी लोहा पट्टी नजदीक गणेश मंदिर मधुबनी बिहार हाल आबाद इस्लामपुर गुरुग्राम के रूप में हुई। ठगी की वारदात को अंजाम देने में प्रयोग किया गया मोबाइल फोन आरोपिता से गुरुग्राम पुलिस की ओर से पहले बरामद कर जब्त कर लिया गया था।

शिकायतकर्ता कृष्ण कुमार वासी गांव जोनावास ने शिकायत में बताया कि 30 जनवरी को जब वह इंस्टाग्राम चला रहा था तो इंस्टाग्राम पर उसने सस्ता लोन का एक विज्ञापन का लिंक देखा और उस पर क्लिक कर दिया। क्लिक करते ही उसके व्हाट्सएप पर एक अकाउंट खुल गया, जिस पर उसने मैसेज किया तो थोड़ी देर बाद कॉल आई, कॉल पर एक लड़की ने अपने आपको लोन डिपार्टमेंट से बताया और लोन की बात कर शिकायतकर्ता से दस्तावेज और पैसे मांगे। शिकायतकर्ता ने कुल 5763 रुपये भेज दिए। इसके बाद साइबर ठग ने फोन उठाना ही बंद कर दिया। पुलिस ने शिकायत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

शाखा प्रबंधक कृषि यंत्रों की खरीद सहित अन्य गतिविधियों के लिए भी ऋण दें : संजीव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक क्षेत्रीय कार्यालय रेवाड़ी की ओर से रुद्राक्ष होटल में शाखा प्रबंधकों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। शाखा प्रबंधकों को संबोधित करने बैंक अध्यक्ष संजीव कुमार धूपर उपस्थित रहे। रेवाड़ी और महेंद्रगढ़ जिले में स्थित 90 शाखायों के शाखा प्रबंधक बैठक में मौजूद थे। धूपर ने प्रबंधकों का आह्वान किया कि वे कृषि एवं सूक्ष्म, लघु एवं मंझोले उद्योगों के लिए त्वरित रूप से ऋण मुहैया कराएं। उन्होंने कहा कि वे किसानों को किसान क्रेडिट के साथ-साथ उनकी अन्य जरूरतों यथा, ट्रैक्टर एवं कृषि यंत्रों की खरीद, सिंचाई, ग्रामीण भंडारण, कोल्ड स्टोरेज, डेयरी विकास इत्यादि गतिविधियों के लिए भी ऋण प्रदान करें। उन्होंने कृषि क्षेत्र में आवधिक निवेश की जरूरत पर बल दिया। एमएसएमई पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। इसलिए ऐसे क्षेत्रों का वितपोषण कर रोजगार सृजन के क्षेत्र में अपनी विशेष भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने जानकारी दी कि उनके बैंक ने जीएसटी एक्सप्रेस और ट्रेड ग्रोथ नाम से ग्राहक उन्मुख योजनाएं बनाई हैं, जिनमें सरल औपचारिकताओं के साथ आसान शर्तों पर व्यापार एवं उद्योगों के लिए ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। इसी प्रकार बैंक के पास व्यापारी क्रेडिट कार्ड और जनरल क्रेडिट कार्ड जैसी सरल योजनाएं भी मौजूद हैं। धूपर ने बताया कि उनका बैंक प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, कृषि संरचनात्मक निधि, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह, प्रधानमंत्री स्वनिधि इत्यादि सभी योजनाओं को सफलतापूर्वक लागू करने में सदैव अग्रणी रहा है।

महेंद्रगढ़। शाखा प्रबंधकों बैठक करते हुए। फोटो : हरिभूमि

1 किलो 18 ग्राम गांजा सहित बाइक सवार को किया काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

एचएसएनसीबी यूनिट रेवाड़ी की टीम ने गांव सीहोर में छापेमारी कर बाइक चालक से एक किलो 18 ग्राम गांजा बरामद करने में सफलता हासिल की है। टीम इंचार्ज एसआई बलवंत सिंह ने बताया कि नशीला पदार्थ रोकथाम को लेकर उनकी टीम सीहोर-छितरौली-बाघोत चौक पर मौजूद थी। गुप्त सूचना के आधार पर बाघोत रोड पर सीहोर-खेड़ी माइनर के कच्चे रास्ते पर रेड की। जहां एक व्यक्ति बाइक पर गांजा बेचने के लिए खड़ा हुआ था। पुलिस टीम को देखकर वह भागने लगा। जिसे टीम सदस्यों ने काबू कर पूछताछ की। जिस पर उसने अपना नाम राजकुमार उर्फ राजू वासी सीहोर बताया। टीम ने कागजी कार्रवाई पूरी कर ड्यूटी मजिस्ट्रेट ईटीओ राजवीर सिंह की उपस्थिति में आरोपित बाइक चालक की तलाशी ली गई, जिसके पजामे की जेब से 1700 रुपये, मोबाइल फोन तथा एक सफेद रंग की पॉलिथीन बरामद हुई। पॉलिथीन को चेक किया तो उसमें गांजा भरा हुआ था। जिसका कांटे पर वजन किया गया तो एक किलो 18 ग्राम मिला। पुलिस ने गांजा बेचने की आरोपित राजकुमार उर्फ राजू के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर उपरोक्त सामान अपने कब्जे में लेकर आगामी जांच कार्रवाई शुरू कर दी। इस टीम में एचसी सुनील कुमार, सी भूपेंद्र कुमार, मंदीप कुमार, चालक एचसी अनिल कुमार शामिल थे।

मंढाणा। बस स्टैंड के पास युवाओं ने राहगीरों को गर्मी से राहत देने के लिए मीठे पानी की छबील लगाई। फोटो : हरिभूमि

राहगीरों को पिलाया ठंडा-मीठा पानी

नारनौल। इस मौसम में राहगीरों को पानी पिलाने की परंपरा काफी पुराने समय से है। अत्याधिक गर्मी के कारण आम आदमी परेशान हो गया है। मंढाणा गांव में बस स्टैंड के पास युवाओं ने राहगीरों को गर्मी से राहत देने के लिए मीठे पानी की छबील लगाई। युवाओं ने कहा कि गर्मी के मौसम में लोगों को जगह-जगह प्याऊ लगानी चाहिए। साथ ही जीव जंतुओं के लिए पानी की व्यवस्था करनी चाहिए। गर्मी के मौसम में यदि किसी व्यक्ति को ठंडे पानी की बूंद भी मिल जाए तो वह अमृत समान लगती है। एक मनुष्य को अपनी मेहनत की कमाई में से कुछ पैसा धर्म के कायार्ें में अवश्य लगाना चाहिए। इसके साथ बेजुबान पशु पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करनी चाहिए।

स्व. शादीलाल हम सब के लिए हमेशा रहेंगे प्रेरणादायी

- स्व. शादीलाल ने शिक्षा जगत में ज्ञान की जो रोशनी फैलाई, हमें उनका अनुसरण करना चाहिए : नायब सिंह सैनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

पूर्व हैड मास्टर स्व. शादीलाल की पवित्र आत्मा ने मानव रूप में इस धरती पर जो शुभ कर्म किए, वे हम सब के लिए हमेशा प्रेरणादायी रहेंगे। यह तो विधि का विधान है कि जिसने इस धरा पर जन्म लिया है उसे अपने कर्तव्य का निर्वहन कर एक दिन इस धरा को छोड़कर जाना होता है। स्व.शादीलाल ने शिक्षा जगत में ज्ञान की जो रोशनी फैलाई है, हम सब को उनका अनुसरण करना चाहिए। यह बात प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने शुक्रवार शाम पूर्व मंत्री एवं विधायक ओमप्रकाश यादव के आवास पर पहुंचकर उनके पिता स्व. शादीलाल के निधन पर शोक प्रकट करते वक्त कही। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि मनुष्य के संसार से चले जाने के बाद उसके द्वारा जीवन काल में किए गए कमार्ें के बदौलत उन्हें याद किया जाता है। आज हम सब मिलकर स्व. शादीलाल को याद कर रहे है। उन्होंने अपने जीवनकाल में शिक्षा की अलख जगाने के साथ-साथ मानव भलाई व मनुष्य के उत्थान के लिए हमेशा कार्य किया। इस दौरान प्रदेश में सिंचाई राज्यमंत्री डा. अभय सिंह यादव, पूर्व मंत्री प्रो.रामबिलास शर्मा, विधायक सीताराम यादव, सोनीपत से भाजपा प्रत्याशी मोहनलाल बुडोली, भाजपा जिला अध्यक्ष दयाराम यादव, भाजपा महिला जिला अध्यक्ष भारती सैनी, पूर्व जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा, भाजपा मीडिया प्रभारी विकास अग्रवाल, जेपी सैनी, नरेंद्र झिमरिया, मदनलाल गोगिया, चेतन सैनी पिलानी, सरोज यादव, कविता यादव, राजेश यादव, सतीश बबली सिहार सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

नारनौल। स्व. शादीलाल को श्रद्धांजलि देते सीएम नायब सैनी। फोटो : हरिभूमि

नया बस स्टैंड पर लगाई छबील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

भीषण गर्मी में आमजन का घरों से निकला मुश्किल हो गया है, लेकिन खास कायार्ें के लिए आमजन को निकलना जरूर बना हुआ है। अटेली मंडी नये बस स्टैंड के समीप ऑटो मार्केट की ओर से जनहित में हीट वेव के बचाव के लिए मीठे व शीतल पेयजल की छबील लगाई गई। नारनौल-रेवाड़ी मार्ग से गुजरने वाले वाहनों को रूकवा कर लोगों को मीठा जलजीरा का ठंडा पानी पिलाया। मैकेनिक महबूब खान, सुमित, राजू, विकास, कुलदीप, राजू, रामजस, सिकंदर, देवेंद्र आदि ने मार्ग पर चलने वाले वाहनों को रूकवा कर पानी पिलाया। इस बार पिछले एक सप्ताह से बहुत अधिक गर्मी पड़ रही है। इसी बात के मद्देनजर जिला अनेक जागरूक युवाओं का प्रयास है कि कहीं भी पेयजल के कारण किसी को परेशानी ना हो। आम नागरिकों से आह्वान किया है कि वे जरुरत पड़ने पर ही घर से बाहर निकलें। अपने साथ पानी की बोतल साथ रखें। दिन में बार-बार पानी पिएं। नींबू पानी जरुर पीएं। वहीं लस्सी का भी प्रयोग करें।

मंडी अटेली। नये बस स्टैंड क समीप पेट्रोल के समीप शीतल पेयजल पिलाते हुए।

पक्षियों का जीवन बचाने के लिए रखा दाना-पानी

मंडी अटेली।भीषण गर्मी में आसमान से आग बरस रही है। गर्मी में मानव हो या फिर पशु-पक्षी सभी को ठंडे जल की तलाश रहती है। लोगों के लिए तो जगह-जगह प्याऊ व नल के साथ ही पानी की उचित व्यवस्था मिल ही जाती है, लेकिन पक्षियों को पानी के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ता है। ऐसे में सिहमा गांव के सत्यपाल आर्य व हवा सिंह ने पक्षियों का जीवन बचाने के लिए जगह-जगह सकोरे रखे और दाने की व्यवस्था भी की। उन्होंने कहा कि इस भीषण गर्मी में पशु-पक्षियों को पानी की अत्यंत आवश्यकता है। इसलिए हम सब का कर्तव्य बनता है कि हम पशु-पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था करें। सभी को पेड़-पौधों व पशु-पक्षियों के संरक्षण के लिए हर संभव कदम उठाना चाहिए।

सूचना

मैं, अनिता देवी विधवा श्री शशी भूषण निवासी गांव गूगोढ तह कोसली जिला रेवाड़ी बयान करती हूं कि मेरी लड़की नूतन कुमारी मेरे कहने सुनने से बाहर है। मैं उसे अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल करती हूं। आज के बाद मेरा व मेरे परिवार का उससे कोई वास्ता नहीं रहेगा। भविष्य में वह अपने व्यवहार व लेन देन के लिए स्वयं जिम्मेदार होगी। मेरी व परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

खबर संक्षेप

मकान में सेंध लगाकर गहने व नकदी चोरी

कोसली। भाकली में चोर एक मकान में सेंध लगाकर सोने की अंगूठी व नकदी चोरी कर ले गए। पुलिस ने मौका मुआयना करने के बाद चोरी का केस दर्ज कर लिया। पुलिस शिकायत में सतपाल ने बताया कि वह अपने काम से रेवाड़ी गया हुआ था। उसकी मां व पत्नी पार्क में घूमने के लिए गई थी। उनके वापस आने पर पिछले दरवाजे की कुंडी खुली हुई मिली। उसकी उसकी पत्नी ने फोन पर बताया कि घर में चोरी हो गई है। जब वह घर पहुंचा तो कमरे का सामान बिखरा हुआ था।

महिला के साथ मारपीट का आरोप, केस दर्ज

धारूहेड़ा। वाल्मीकि मोहल्ला में एक महिला के साथ मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस ने उसके पति व सास के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया। अस्पताल में उपचाराधी पिंकी ने बताया कि उसकी शादी देवेंद्र के साथ हुई थी। शादी के बाद उसे दो लड़कियां हुईं। उसका पति आए दिन उसके साथ मारपीट करता है। काफी समय तक वह सब कुछ सहन करती रही। अब उसके पति ने रात के समय उसके साथ मारपीट की।

सड़क हादसों के आरोपी दो चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों के आरोपी दो वाहन चालकों को गिरफ्तार किया है। थाना धारूहेड़ा पुलिस ने 20 मई को हुए सड़क हादसे में जाडरा निवासी अमित को गिरफ्तार किया है। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। एक अन्य मामले में कसोला पुलिस ने राजस्थान के छतरपुर निवासी शाहरूख को 16 मई को हुए हादसे में गिरफ्तार किया है।

लू लगने से एक युवक की मौत

रेवाड़ी। कसोला के निकट लू की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। राजस्थान के कोटपुतली निवासी 58 वर्षीय किशनलाल कसोला चौक आया हुआ था। ज्यादा गर्मी के कारण उसकी तबियत बिगड़ गई। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। एक अन्य मामले में रूद्ध में रहने वाले बिहार निवासी अजय कुमार की हार्ट अटैक से मौत हो गई।

दोपहर को धूप की तपिश के बाद अंधड व बूंदाबांदी से मौसम बदला

नौतपा में आठ दिन खूब तपी धरती खत्म होने के बाद बरसात की बारी

- अंधड से कई इलाकों में बिजली भी गुल हो गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। भाड़ावास रोड पर छाते से बचाव करती जाती महिला तथा सरकुलर रोड पर धूप से बचाव करते लोग। फोटो : हरिभूमि

बीते साल नौतपा के पहले ही दिन से बरसात ने लोगों को भारी गर्मी का सामना करने से बचा लिया था। इस साल नौतपा के पहले आठ दिनों में सूरज की तपिश ने धरती को जमकर तपाया है। नौतपा खत्म होने से एक दिन पहले ही मौसम में बदलाव की बयार नजर आने लगी है। तापमान में गिरावट आना शुरू हो गया है। शनिवार दोपहर तक तेज धूप के बाद शाम को अचानक अंधड आने के बाद बादल छा जाने से मौसम बदल गया, जिससे लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिली। आसपास के क्षेत्रों में हल्की बूंदाबांदी भी हुई। अंधड से कई इलाकों में बिजली भी गुल हो गई। रविवार को हल्की बौछारें गिरने की संभावना जताई जा रही है। गत 25 मई से नौतपा शुरू होने के बाद गर्मी ने कई साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। तापमान 48 डिग्री के पार पहुंचने के बाद हीटवेव ने लोगों को एक सप्ताह में ही गर्मी ने जमकर परेशान किया। बीते साल नौतपा के दिनों में ही बरसात शुरू हो गई थी, जिस कारण लोगों को भारी गर्मी का सामना नहीं करना पड़ा था। शनिवार को सुबह से ही आसमान में आंशिक बादल छा गए। इसके बाद गर्मी के तेवर कुछ नरम पड़ गए। अधिकतम तापमान 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट के साथ 44 डिग्री सेल्सियस आ गया। न्यूनतम तापमान में 3.8 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि दर्ज की गई। यह 31.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आसमान में बादल छाने के बाद बूंदाबांदी की संभावना भी नजर आने लगी। मौसम विभाग के अनुसार 2 मई को आसमान में एक बार फिर बादल छा सकते हैं। तेज हवाओं के साथ बौछारें गिर सकती है। इस माह के पहले सप्ताह में आसमान में बार-बार बादल छाने से तापमान में चार से पांच डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की जा सकती है। हल्की बरसात के बाद लोगों को लू के थपेड़ों से कुछ हद तक निजात मिल सकती है। सप्ताह के अंत में मौसम साफ होने और तापमान बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

जिले का एक सप्ताह का तापमान

दिनांक	अधिकतम	न्यूनतम
1 जून	44	31.8
31 मई	47	28
30 मई	46.2	31.8
29 मई	48	30.2
28 मई	47	26.2
27 मई	46.2	27.5
26 मई	46	26.6

अब उमस भरी गर्मी निकालेगी जान

आसमान में बादल छाने और बूंदाबांदी के बाद हवा में नमी का स्तर बढ़ने की संभावना है। शनिवार को नमी का स्तर 25 प्रतिशत तक रहा। सुबह के समय 22 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलीं। हवाओं की दिशा बदलने से तापमान में कमी आई है। अब पश्चिमी हवाएं चलने से बूंदाबांदी या हल्की बरसात की संभावना नजर आ रही हैं। हवा में नमी का स्तर बढ़ने के कारण लोगों को अब कुछ दिनों तक चिपचिपी गर्मी का सामना करना पड़ सकता है।

किसानों की निगाहें आसमान पर

जिले में खरीफ सीजन में किसान बाजरे और कपास की खेती करते हैं। कई किसान कपास की अगेती बिजाई कर चुके हैं। बाजरे की बिजाई के लिए किसान बरसात का इंतजार कर रहे हैं। इस समय अगर अच्छी बरसात होती है, तो किसान बाजरे की बिजाई शुरू कर देंगे। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार बाजरे की बिजाई का सही समय 15 जून के बाद आएगा। बरसात होने की स्थिति में किसान गत वर्ष की तरह इस बार भी बाजरे की बिजाई समय से पूर्व कर सकते हैं। किसानों की नजरें इस समय आसमान पर टिकी हुई हैं। बरसात कपास की फसल के लिए फायदेमंद साबित होगी।

निगम अधिकारियों को मिली राहत

तापमान बढ़ने के कारण बिजली निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए सिस्टम को भारी गर्मी से बचाना मुश्किल बना हुआ था। पावर हाउसों में सीटी व स्टेप डाउन ट्रांसफार्मरों को कूलर लगाकर ठंडा किया जा रहा था। बिजली की खपत बढ़ने से लोड भी बढ़ा हुआ था। मौसम में बदलाव से एक ओर जहां बिजली की खपत में 4 लाख यूनिट तक कमी आई है, वहीं तापमान गिरने से ट्रांसफार्मरों पर मंडरा रहा खतरा कुछ कम हो गया है। अगर मौसम ठंडा होता है, तो इससे बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

ग्रीष्मकालीन अवकाश में स्कूल खुलने पर होगी सख्त कार्रवाई

- सभी विद्यालयों में 30 जून तक रहेगा ग्रीष्मकालीन अवकाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

डीसी राहुल हुड्डा ने कहा कि हरियाणा शिक्षा निदेशालय की ओर से भीषण गर्मी को देखते हुए जिले भर के सभी राजकीय व निजी स्कूलों में 30 जून तक अवकाश घोषित कर दिया गया है। 30 जून तक बाल वाटिका से लेकर 12वीं कक्षा तक के सभी विद्यार्थियों के लिए ग्रीष्मकालीन अवकाश रहेगा। उन्होंने सभी निजी व सरकारी स्कूल संचालकों को 30 जून तक स्कूल बंद रखने के निर्देश दिए हैं। अब स्कूल एक जुलाई से खुलेंगे। उन्होंने कहा कि ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान कोई भी विद्यालय खुला पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गर्मी के प्रभाव से बचने के लिए सावधानियां

डीसी हुड्डा ने आमजन से आह्वान किया कि वह सरकार की ओर से जारी की गई एडवाइजरी की पालना करके लू से बचे रहें। उन्होंने बताया कि लू से बचाव के लिए गर्मी में हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें, अपना सिर ढक कर रखें। सिर पर कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें। पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। ओआरएस, घर में बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी, नींबू पानी व छाछ का सेवन करें। बच्चों को वाहनों में छोड़कर न जाएं, उन्हें लू लगने का खतरा हो सकता है। नंगे पांव बाहर न जाएं। गर्मी से राहत के लिए हाथ का पंखा अपने पास रखें। काम के बीच में थोड़ा-थोड़ा विश्राम लें। खेत खलिहान में काम कर रहे हैं तो समय-समय पर पेड़ या छाया में ही आसरा लें।

गर्मी में जगह-जगह स्टॉल लगाकर पिलाया मीठा पानी

बावल। गर्मी में मौसम में लोगों का गला तर करने के लिए जगह-जगह स्टॉल लगाकर मीठा पानी पिलाया। राहगीरों से लेकर वाहनों में सफर कर रहे यात्रियों को भी वाहन रुकवाकर पानी पिलाया। गर्मी के मौसम में पुण्य कमाने के लिए लोग जगह-जगह मीठे पानी स्टॉल लगा रहे हैं। बावल के छोटूराम चौक पर शनिवार को दुकानदारों ने मिलकर छबील लगाई। आने-जाने वाले लोगों को ठंडा पानी पिलाया। नेशनल हाइवे व दूसरे मार्गों पर लोगों ने मीठे पानी की व्यवस्था करते हुए वाहन रुकवाकर उनके सफर कर रहे लोगों को पानी पिलाया।

प्यासे को जल पिलाना सबसे बड़ा धर्म: देशराज

रेवाड़ी। राहगीरों को मीठा पानी पिलाते संगठन के सदस्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

कोसली के दयावान संगठन के सदस्यों ने शनिवार को नठेड़ा-टूमना रोड़ पर छबील लगाकर राहगीरों को मीठा शरबत पिलाया। संगठन से देशराज ने कहा कि भीषण गर्मी में प्यासे लोगों को जल पिलाना मानव जीवन का सबसे बड़ा धर्म व पुण्य का कार्य है। इसी भावना को लेकर युवाओं ने मीठे पानी की छबील लगाकर लोगों को शरबत पिलाने की व्यवस्था की। इस अवसर पर हरीश कुमार, कपिल, इंद्रजीत, महावीर, मनीष, दीपक, अजय, सुमित, युवराज, मंजीत, राजू, केशव, प्रथम, प्रदीप, ध्रुव, कृष व प्रवीण का सहयोग रहा।

पशु-पक्षी भी प्यार और अपनत्व को करते हैं महसूस : डा. बीर सिंह

- जानवरों पर अत्याचार रोकने के लिए देश में पहली बार 1960 में पशु क्रूरता निवारण अधिनियम लाया गया था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। जानवरों का खाद्य सामग्री खिलाते डा. बीर सिंह। फोटो : हरिभूमि

डाइट हुसैनपुर के वरिष्ठ प्राध्यापक डा. बीर सिंह ने कहा कि प्रेम की भाषा जानवर भी समझते हैं। पशु-पक्षी भी प्यार और अपनत्व को महसूस करते हैं। प्यार में वह ताकत है, जिससे इंसान तो क्या, शेर भी वश में हो जाता है। डा. बीर सिंह नीम करोली बाबा की सुक्ति को चरितार्थ करने वाले एनिमल लवर है। वह हमेशा जानवरों की सेवा के लिए तैयार रहते है। उन्होंने वर्तमान में भी जानवरों व पक्षियों के लिए संस्थान में नियमित पानी का प्रबंध किया हुआ है। डा. बीर सिंह ने बताया कि बचपन में मां के साथ मंदिर में जाते थे, जहां पर महाराज बाला नाम के बंदर से गाय चरवाया करते थे। इस दृश्य से उनके हृदय में भी धीरे-धीरे पशु प्रेम जागृत हो गया। बालाजी मंदिरों में जाते समय वह अरावली की पहाड़ियों में बंदरों व लंगूरों को देख जीव सेवा में लग गए। चाहे वह विशेष रूप से विपरीत मौसम में जानवरों की सेवा करना अपना फर्ज समझते हैं। बालेश्वर, बागेश्वर, नृसिंर्ग, टपकेश्वर व गणेश्वर धाम नीम का थाना राजस्थान अरावली की पहाड़ियों में जीव सेवा के लिए अक्सर परिवार के साथ खाद्य सामग्री लेकर पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि प्रति वर्ष भीषण गर्मी में लोगों को पक्षियों के लिए घर की छत पर दाना-पानी रखना चाहिए। जीवों का भी एक परिवार होता है और मनुष्य को अपने स्वाद के लिए उन्हें मारने का कोई अधिकार नहीं है। जानवरों पर अत्याचार रोकने के लिए देश में पहली बार 1960 में पशु क्रूरता निवारण अधिनियम लाया गया था। लोग अक्सर जानवरों को बेजुबान प्राणी समझते हैं, जबकि असलियत में उनकी अपनी भाषाएं और संवाद करने के तरीके होते हैं, जिन्हें हम अक्सर समझ नहीं पाते है, इसलिए जानवरों के कल्याण और अधिकारों के लिए आवाज उठाना नितांत आवश्यक है।

नवदंपत्ति को दिलाई जल व पर्यावरण संरक्षण की शपथ

भिवानी। जल एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से युवा जागृति एवं जनकल्याण मिशन ट्रस्ट द्वारा शनिवार को हनुमान ढ़ाणी स्थित हनुमान जोहड़ी मंदिर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस मौके पर मंदिर में पहुंचे नवदंपत्ति को जल एवं पर्यावरण संरक्षण बारे जागरूक किया तथा उन्हें नवजीवन की शुभकामनाएं दी। इसके उपरांत उपस्थित सभी लोगों को जल एवं पर्यावरण संरक्षण का महत्व बताते हुए इनके संरक्षण की दिशा में सकारात्मक भूमिका निभाने की शपथ दिलवाई गई। कार्यक्रम में मंदिर के महंत चरणदास महाराज का सान्निध्य रहा। ध्यानदास महाराज ने कहा कि परिणय सूत्र में बंधने के बाद नवदंपत्ति के जीवन के नए पड़ाव की शुरूआत होती है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज़ पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9671434260, 8595581311

सात साल पहले किया था प्रेम विवाह अब महिला किसी अन्य के साथ फरार

- पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद महिला की तलाश शुरू कर दी

कोसली। क्षेत्र के एक गांव में करीब 7 साल पहले लव मैरिज करने वाले युवक की पत्नी घर से नकदी व जेवर लेकर किसी और के साथ फरार हो गई। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद महिला की तलाश शुरू कर दी। पुलिस शिकायत में युवक ने बताया कि उसने वर्ष 2017 में वडोदरा में रह रही पड़ोसी गांव की युवती से प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद सब कुछ ठीक चल रहा था। उसकी पत्नी को शादी के बाद बच्चा नहीं हुआ, जिस कारण दोनों में कभी-कभी कहासुनी हो जाती थी। 30 मई की रात को वह अपने प्लॉट में सोया हुआ था, जबकि उसकी पत्नी घर पर थी। सुबह उठकर वह घर आया तो उसकी पत्नी नहीं मिली। घर में रखा कैश और जेवर भी नहीं मिले। युवक ने आरोप लगाया है कि उसकी पत्नी किसी अन्य युवक के साथ फरार हुई है। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद महिला की तलाश शुरू कर दी।

खोरी में आज ओपन आइस बाथ चैंपियनशिप

कुंड। रविवार 2 जून को रॉबिन फिटनेस प्वाइंट गांव खोरी में ओपन आईस बाथ चैम्पियनशिप यानि बर्फ स्नान प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता के आयोजक सुरजीत यादव ने बताया कि प्रतियोगिता जिम एसोसिएशन के अध्यक्ष अमित स्वामी की अध्यक्षता में आयोजित की जाएगी, जिसमें जिम एसोसिएशन के मुख्य संरक्षक एवं सलाहकार प्रिंस ग्रोवर विशिष्ट अतिथी के रूप में भाग लेंगे। प्रतियोगिता का रजिस्ट्रेशन दोपहर 12 बजे तक किया जाएगा तथा प्रतियोगिता का शुभारंभ सायं 5 बजे होगा। विजेताओं को 3100, 2100 व 1100 रुपये, प्रशस्ति पत्र तथा मेडल दिए जाएंगे। प्रतियोगिता में रूपेन्द्र यादव, आर्यन यादव तथा सचिन कुमार का सहयोग रहेगा।

विद्यार्थियों व शिक्षकों को कार्यशाला में साइबर क्राइम से बचाव के दिए टिप्स

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। शिक्षकों व विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए एसआई। फोटो : हरिभूमि

युवा पीढ़ी को ऑनलाइन खतरों से बचाने की चुनौती इन दिनों और अधिक जटिल होती जा रही है। युवाओं को जागरूक करने और उन्हें साइबर अपराधों से बचाने के लिए यूरो स्कूल धारूहेड़ा में साइबर सुरक्षा पर कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का संचालन साइबर थाने से एसआई राहुल ने किया गया। प्रिंसिपल ने एसआई का स्वागत किया। कक्षा 11वीं व 12वीं के करीब 100 छात्रों ने कार्यशाला में भाग लिया। एसआई ने विद्यार्थियों को साइबर क्राइम व उसके बचाव की जानकारी दी। स्कूल स्टाफ ने एसआई को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सभी शिक्षक व पुलिस टीम मौजूद रही।

राजनीति

भाजपा में दावेदारों की संख्या रहेगी सबसे ज्यादा, कांग्रेस में सीटिंग एमएलए से मजबूत विकल्प नहीं

परिणाम के साथ शुरू होगी विस चुनाव की तैयारी, रेवाड़ी में देखने को मिलेगी टिकट की जंग

नरेन्द्र वत्स ▶▶| रेवाड़ी

अरविंद यादव

अमित यादव

मुकेश कापड़ीवास

अजय पटौदा

अनिल रायपुर

लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के साथ ही 4 जून के बाद विधानसभा चुनावों को लेकर तैयारी शुरू हो जाएगी। चुनाव मैदान में उतरने वाले चेहरों को सिर्फ लोकसभा चुनाव परिणाम का इंतजार है। परिणाम के अनुसार ही विस चुनाव की रणनीति तैयार की जाएगी। भाजपा में एक बार फिर जहां टिकट के दावेदारों की लंबी फेहरिस्त देखने को मिलेगी, तो कांग्रेस को सीटिंग एमएलए चिरंजीव राव के विकल्प की तलाश नहीं रहेगी।

गत विधानसभा चुनावों में रेवाड़ी हलके में भाजपा की टिकट को लेकर जो घमासान हुआ था, उससे पार्टी ने एक सीट गंवा दी थी। राव इंद्रजीत समर्थित प्रत्याशी को हराने के लिए भाजपा का ही एक खेमा लामबद्ध हो गया था। रणधीर सिंह कापड़ीवास की खुली बगावत ने भाजपा के हाथ से एक सीट छीनने का काम कर दिया था। कापड़ीवास को निष्कासन की अवधि पूरी होने से पहले भाजपा में वापसी कराई जा चुकी है। उनके भतीजे मुकेश कापड़ीवास इस बार टिकट की दौड़ में हैं। पार्टी ने उन्हें कुछ समय पहले ही प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट की जिम्मेदारी सौंपी थी। इनेलो की टिकट और निर्दलीय चुनाव लड़ चुके पूर्व जिला प्रमुख सतीश यादव को भाजपा ज्वाइन कराई जा चुकी है। इस बार वह भी टिकट की लाइन में होंगे। पर्यटन निगम के चेयरमैन डा. अरविंद यादव कई दिनों से भाजपा की टिकट पर इस हलके से चुनाव लड़ने का मन बना रहे हैं। लोकसभा चुनावों में भाजपा के प्रदेश कार्यालय प्रभारी की भूमिका निभा चुके अरविंद यादव की दावेदारी को भी कम करके नहीं आंका जा सकता है। वर्षों से पार्टी के साथ पूरी निष्ठा से जुड़े अमित यादव भी पार्टी की टिकट के लिए इस बार मजबूत दावेदारी जताने के मूड में हैं। वह हाल ही में हिमाचल में भाजपा के लिए प्रचार करने के बाद वापस आए हैं।

राव खेमे में भी दावेदारों की कमी नहीं

पिछले विधानसभा चुनावों में टिकट वितरण के समय राव इंद्रजीत सिंह की अहीरवाल में जमकर चली थी। कई टिकटें उनकी मर्जी के मुताबिक दी गई थीं, जिनमें रेवाड़ी हलका भी शामिल था। अगर इस बार भी राव को पार्टी टिकट के मामले में उतनी ही तव्वजो देती है, तो एक बार फिर उनका विरोधी खेमा खाली हाथ रह सकता है। राव खेमे में इस बार तीन दावेदार अभी से सामने आ चुके हैं। सुनील मुसेपुर एक बार फिर से चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं, तो अनिल रायपुर को भी चुनाव की तैयारियों में जुट जाने का इशारा मिल चुका है। लंबे समय से राव के लिए ग्राउंड लेवल पर काम कर रहे भाजपा के जिला उपाध्यक्ष अजय पटौदा भी इस बार चुनाव मैदान में उतरने के लिए तैयार हैं। तीनों अपनी ओर से चुनाव लड़ने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, लेकिन मौका मिलने की फैसला आने वाले समय में ही हो पाएगा।

हम सभी को निभाना होगा
पर्यावरण रक्षा का दायित्व

पर्यावरण की दिनों-दिन बिगड़ती स्थिति और बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग किसी एक व्यक्ति, क्षेत्र या देश की समस्या नहीं, बल्कि वैश्विक संकट है। इसलिए इससे निपटने, इसका प्रभावी समाधान खोजने के लिए हम सभी को इस संकट की गंभीरता को समझने के साथ ही अनेक स्तरों पर सामूहिक प्रयास करने होंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि ये प्रयास तभी अपेक्षित परिणाम लाएंगे और पर्यावरण संरक्षण में प्रभावी सिद्ध होंगे, जब युवा वर्ग अपनी जिम्मेदारी समझते हुए इस दिशा में सक्रिय भागीदारी निभाएगा।

{ आवरण कथा / दिव्यज्योति 'नंदन' }

हालांकि दुनिया में युवावस्था की कोई सर्वमान्य और सर्वस्वीकृत अंतरराष्ट्रीय परिभाषा नहीं है। लेकिन संयुक्त राष्ट्र 15 से 24 वर्ष आयु के लोगों को युवाओं के रूप में संदर्भित करता है। वर्तमान में इस उम्र समूह के दुनिया भर में 1 अरब 20 करोड़ युवा हैं और साल 2030 तक इनकी संख्या 7 फीसदी बढ़कर 1 अरब 30 करोड़ हो जाएगी। युवाओं का यह लेखा-जोखा हम इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि यूनाइटेड नेशन एंवॉयर्नमेंट प्रोग्राम (यूएनईपी) के कार्यकारी निदेशक इंगर एंडर्सन का मानना है कि ये इस दौर के युवा ही हैं, जिन्हें विरासत में एक टूटा हुआ ग्रह मिला है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस कहते हैं, 'अब ग्लोबल वार्मिंग को रोकने का सारा दारोमदार युवाओं पर ही है।' गुटेरेस के शब्दों में युवाओं में असीम ऊर्जा होती है और इतिहास में मानवता जब-जब किसी संकट का शिकार हुई है, तब ये युवा ही हैं, जिन्होंने उसे संकट से निकाला है। युवाओं की असीम ऊर्जा उनके विचारों और योगदान पर निर्भर करती है। आज हर दिन ब्रह्मांड का अपना खूबसूरत ग्रह यानी धरती, विनाश के दलदल में समाती जा रही है। ग्लोबल वार्मिंग तो धरती के अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा संकट बन गया है। ऐसे में अब युवा ही हैं, जो इस धरती को नष्ट होने से बचा सकते हैं।

युवाओं से ही बची है उम्मीद

चाहे इंगर एंडर्सन हों या एंटोनियो गुटेरेस, वो जिस तरह से युवाओं की तरफ धरती के ग्लोबल वार्मिंग को रोकने या इसे बचाने के लिए उम्मीद भरी निगाहों से देख रहे हैं, उसका मतलब है कि लोग अब मौजूदा सरकारों, बड़ी-बड़ी बात करने वाले संगठनों पर से दुनिया की सेहत वापस लौटाने का भरोसा खो चुके हैं। इसलिए अब युवाओं की तरफ देखा जा रहा है और संयोग से युवा भी अब इस समस्या की चिंताओं से अपने आपको बहुत गहराई तक जोड़ रहे हैं।

आज के युवा हैं अधिक जागरूक

युवाओं के पास आज की इस गूगल नॉलेज वाली दुनिया में चीजों को समझने के अपने संसाधन और तौर-तरीके हैं। इसलिए आज के युवा पुरानी पीढ़ियों के मुकाबले कहीं ज्यादा गहराई से जानते हैं कि ग्लोबल वार्मिंग दुनिया के पर्यावरण के लिए कितना बड़ा खतरा है और इससे क्या हो सकता है? युवाओं के पास पर्याप्त शिक्षा है और ग्लोबल युनिटी के लिए उनके पास इंटरनेट और सोशल मीडिया जैसा मंच भी है। यही कारण है कि आज यूरोप के 75 फीसदी नौजवान ग्लोबल वार्मिंग से चिंतित हैं। कम होती बायो डायवर्सिटी उन्हें परेशान कर रही है।

समझते हैं समस्या की गंभीरता

दुनिया का युवा वर्ग, बाकी लोगों से ज्यादा संवेदनशील इसलिए भी है, क्योंकि वही गरमाती धरती और बिगड़ते पर्यावरण से भविष्य में आने वाले संकट को समझ रहा है। यह अकारण नहीं है कि आज दुनिया भर के युवा इस संकट से जागरूक हैं और इस पर बातें करते हैं। साल 2012 से ही मौजूद ग्लोबल यूथ बायोडायवर्सिटी नेटवर्क, बायो डायवर्सिटी के नुकसान पर युवाओं की राय और इसके समाधान में युवाओं की सोच को ऑथराइज्ड रूप से व्यक्त करना शुरू कर चुका था। यह संगठन अपने विभिन्न प्रस्तावों के माध्यम से लगातार बायो डायवर्सिटी पर कन्वेंशन में योगदान देता है और जैव विविधता के संरक्षण पर आगे बढ़कर भूमिका निभाता है। प्रसिद्ध जर्नल लैंसेट में प्रकाशित एक वैश्विक सर्वेक्षण के मुताबिक ग्लोबल वार्मिंग को लेकर दुनिया के करीब 60 फीसदी युवा बहुत चिंतित हैं और 84 फीसदी युवा कम ही सही लेकिन चिंतित हैं, भले इसके लिए उनकी नींद हराम न होती हों।

लेकिन ऐसे भी अनेक युवा हैं, जो इस पूरी समस्या से बहुत भावनात्मक स्तर पर जाकर जुड़ते हैं। वे उदास हैं, चिंतित हैं, अपनी सरकारों से नाराज हैं और गुस्से से भरे हैं, कई बार वे शक्तिहीनता का भी एहसास करते हैं और जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने में अपनी मजबूत भूमिका निभाना चाहते हैं। ऐसा योगदान देना चाहते हैं, जिससे जलवायु परिवर्तन का यह भयावह दौर थमे। लेकिन यह बात भी है कि न तो एक हद से ज्यादा सरकारों को युवाओं पर भरोसा है और न ही युवा ही सरकारों पर भरोसा करते हैं।

आरंभ कर दिए हैं प्रयास

अब युवाओं का एक बड़ा हिस्सा बल्कि कहना चाहिए नाराज हिस्सा, ग्लोबल वार्मिंग के लिए किए जा रहे अपने आंदोलन के माध्यम से सरकारों के विरुद्ध मुकदमा चलाने तक की बात कहने लगा है। यहां तक कि युवा स्थानीय और वैश्विक दोनो ही स्तर पर ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के लिए अपनी जीवनशैली में बदलावों और ठोस समाधानों के लिए तैयार हैं, भले इसके लिए बड़ी मात्रा में संसाधन खर्च हों। यह अकारण नहीं है कि पिछले कई बार से आधिकारिक जलवायु परिवर्तन वार्ता के दौरान दुनियाभर के मुखर युवा वार्ता स्थलों पर मौजूद रहते हैं और समानांतर आयोजन, हस्तक्षेप, कार्यवाहियां, जो भी संभव हो, सब कुछ करते हैं। ऐसा करे भी क्यों न, युवा लोग जहरीली होती हवा, मिट्टी और पानी के प्रदूषण से प्रभावित हैं। प्लास्टिक से होने वाले प्रदूषण पर भी युवा किसी भी दूसरे आयुवर्ग के मुकाबले ज्यादा सहयोग के लिए तैयार हैं। लेकिन सबसे बड़ी समस्या यह है कि सरकारें सक्रिय नहीं दिखती हैं। दरअसल, ऐसा होने से उनके राजकाज संचालन में उन्हें फायदा नहीं होता। सरकारें अपने हितों के लिए हर उस कदम को उठाने से पीछे हट जाती हैं, जो ग्लोबल वार्मिंग पर निर्णायक प्रहार कर सकता है। इसलिए अब पूरे दुनिया में युवाओं के बीच यह समझ बनती जा रही है कि अगर सचमुच उन्हें अपने ग्रह को बचाना है तो ग्लोबल वार्मिंग के खात्मे के लिए एक बड़ा और निर्णायक कदम उठाना ही पड़ेगा, चाहे इससे किसी को नुकसान क्यों न हो। युवाओं की यह गहराती धारणा बिल्कुल सही है। *

सामूहिक प्रयत्नों से ही संवरेगा
प्रकृति का वास्तविक स्वरूप

{ आह्वान
राजयोगी बीके निकुंज जी }

मनुष्य जीवन और प्राकृतिक परिवेश एक-दूसरे से घनिष्ठतापूर्वक जुड़े हैं, इसीलिए इनमें से किसी एक की गड़बड़ी से दूसरा प्रभावित हुए बिना रह नहीं सकता। व्यवहार विज्ञानियों के मतानुसार, वर्तमान में समूचे संसार में फैले मानव समाज की व्यावहारिक गड़बड़ियों का सबसे महत्वपूर्ण कारण पर्यावरणीय असंतुलन है।

हम पहुंचा रहे प्रकृति को नुकसान: पिछले कुछ दशकों में हुई वैज्ञानिक प्रगति और तकनीकी सामर्थ्य ने मनुष्य को काफी ताकत दे दी है। इसी वजह से आज हम पर्वतों को हटा सकते हैं, नदियों का मार्ग बदल सकते हैं, नए सरोवरों का निर्माण कर सकते हैं। इसका मतलब यह हुआ कि हम प्राकृतिक जगत में काफी फेर-बदल कर सकते हैं। लेकिन कौन-सी फेर-बदल उचित है, कौन-सी अनुचित? क्या करने से सत्परिणाम सामने आएंगे, क्या करने से दुष्परिणाम? इन सभी बातों पर सोच-विचार किए बिना ही यदि हम प्रगति के नाम पर प्रकृति के साथ छेड़खानी करते रहेंगे, उसे भरपूर नुकसान पहुंचाएंगे तो इसे मूर्खता ही कहा जाएगा, जो हम दशकों से कर रहे हैं।

हम सब समझें अपनी जिम्मेदारी: जब हम आत्माएं इस संसार में आए थे तो बिना शरीर के आए थे। तत्पश्चात मां के गर्भ से हमें शरीर मिला और फिर कुछ महीनों बाद पृथ्वी पर हमारा जीवन प्रारंभ हो गया और हमने प्रकृति के विभिन्न तत्वों का उपभोग प्रारंभ कर दिया। शरीर धारण करने पर हमारा पहला उपभोग है ऑक्सीजन, जिसको लिए बिना हम जीवित नहीं रह सकते हैं, तभी तो कहा जाता है कि ऑक्सीजन बंद यानी, जीवन समाप्त। हम सब इस वायुमंडल में कार्बनडाइऑक्साइड को बढ़ाने और ऑक्सीजन को घटाने के लिए जिम्मेदार हैं, इसका स्मरण हम सभी को रहना चाहिए।

हम निभाएं अपने दायित्व: पिछले हजारों वर्षों से, अनेक जन्म-पुनर्जन्म लेकर हम इस धरती के वायुमंडल को दूषित करते आए हैं तो क्या यह हमारा पाप कर्म नहीं है? क्या यह हम पर प्रकृति का ऋण नहीं है? क्या इस ऋण से मुक्त होने के लिए हमने आज तक कुछ किया है? क्या हमने पेड़ लगाए? यदि लगाए, तो क्या इतने पेड़ लगाए और पाल-पोसकर बड़े किए जो हमारे द्वारा फैलाए गए प्रदूषण की भरपाई कर सके? याद रहे! इस विषय में हम किसी दूसरे की तरफ अंगुली उठाकर यह नहीं कह सकते कि इसने भी तो नहीं किया। क्या दूसरे की तरफ अंगुली उठा देने मात्र से हमारा ऋण उतर जाएगा? हम जब श्वास लेते हैं, तब तो चिंता नहीं करते कि दूसरे को भी ठीक से सांस आ रही है या नहीं। उस समय तो केवल अपने से सरोकार होता है, तो जब ऋण उतारने की बात आए तब भी तो खुद को ही देखना चाहिए ना!

प्रकृति को दें भरपूर सम्मान: श्रीमद भगवदगीता के तीसरे अध्याय में कहा गया है कि 'देवांभावयतानेन ते देवा भावयंतु वः' अर्थात तुम सब यज्ञ कर्मों द्वारा देवताओं की उन्नति करो और वे देवता तुम लोगों की उन्नति करेंगे। अब यदि आज के समय में इस श्लोक का भावार्थ किया जाए तो देवताओं को प्रसन्न रखने का अभिप्राय यहां प्रकृति को संतुलित और व्यवस्थित रखने से भी है। भला ऐसा क्यों? ऐसा इसलिए क्योंकि प्रकृति दैवीय शक्तियों की क्रीड़ा भूमि है और उसके अनुदानों से विश्व-वसुंधरा पुष्पित, पल्लवित होती और समुन्नत बनती है। अतः मनुष्यों के लिए यह अनिवार्य है कि वे अपने कल्याणार्थ प्रकृति के साथ विवेकसम्मत व्यवहार करें और उसके आशीर्वाद का पात्र बनें, न कि श्राप का। अच्छे कर्म का फल अच्छा मिलता है और बुरे का बुरा, यह सर्वविदित है। कहने को तो यह सिद्धांत पुराना पड़ गया किंतु इसके पीछे छुपा तथ्य सनातन है और यह सिद्धांत सृष्टि के कण-कण में आज भी कार्य कर रहा है।

अतः यदि हम सब मां प्रकृति के साथ सम्मानजनक व्यवहार करेंगे, उन्हें प्रदूषित नहीं करेंगे तो हमें उतना ही प्यार और स्नेह उनसे प्राप्त होगा, पर यदि हम उसके संसाधनों का दुरुपयोग करना जारी ही रखेंगे, तो फिर हमें सूखा, भूकंप, बाढ़, अकाल, भू-स्खलन जैसे प्राकृतिक प्रकोपों का सामना करना ही पड़ेगा। *

{ जागरूकता / वीना गौतम }

मानव अस्तित्व के लिए खतरा
बिगड़ता मौसम का मिजाज

इन दिनों पूरे भारत में इतनी तेज गर्मी पड़ रही है कि लगता है, मानो आसमान से आग बरस रही हो। मौसम की इस गर्माहट ने लोगों को ही नहीं, पशु-पक्षियों को भी बेचैन कर दिया है। वास्तव में मौसम के इस डरावने बदलाव ने बहुत कुछ बदल दिया है। यह हैरान करने वाला बदलाव इसी साल देखने को नहीं मिल रहा है। पिछले एक-डेढ़ दशक से यह बदलाव जारी है। समुद्री तूफानों की संख्या बढ़ती जा रही है।

पूरी दुनिया है हैरान: सिर्फ हम ही नहीं, पूरी दुनिया मौसम के बदलते मिजाज की तबाही झेल रही है। अमेरिका में पिछले एक दशक में न केवल समुद्री तूफान 30 फीसदी ज्यादा आए हैं, बल्कि ज्यादा तबाही मचाने वाले आए हैं। ब्रिटेन में बाढ़ का कहर लोगों पर आपदा बनकर टूटता है, तो चीन एक साथ सूखे और बाढ़ की चपेट में आ जाता है। मौसम का मिजाज हमेशा से ऐसा नहीं था। एक समय ऐसा था, जब ऋतुएं अपने समय पर आती थीं और मौसम भी समय पर ही बदलता था। लेकिन अब पूरी दुनिया में ऋतुओं का यह चक्र गड़बड़ा गया है। गर्मी का मौसम धरती को अब बुरी तरह से तपाने और सताने लगा है। इस मौसम के कारण अब जलस्रोत अकसर सूख जाते हैं और सूखे की मार झेल रहे किसान बस आसमान ताकते रह जाते हैं।

लगातार गर्म हो रही धरती: मौसम विज्ञानियों के अनुसार पृथ्वी की जलवायु लगातार गर्म हो रही है। पृथ्वी का तापमान पिछले सौ वर्षों के दौरान करीब 1.2 डिग्री सेंटीग्रेड तक बढ़ गया है। समूची धरती से जंगलों के सफाए हो रहे हैं, जंगल में लगने वाली आग की घटनाएं बढ़ रही हैं। इस आग के कारण पूरे वायुमंडल में धुआं फैल रहा है। कोयले और पेट्रोलियम पदार्थों के जलने से भी वायुमंडल में ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा लगातार बढ़ रही है। पिछले तीन सौ सालों में ही वायुमंडल में कार्बनडाइऑक्साइड की मात्रा 30 प्रतिशत तक बढ़ चुकी है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण साइबेरिया और अलास्का जैसे वन क्षेत्रों में भी आग लगने की भीषण दुर्घटनाएं हो रही हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण धीरे-धीरे ग्लेशियर पिघलकर सिकुड़ रहे हैं। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि हिमालय क्षेत्र के ग्लेशियर बहुत तेजी से पिघल रहे हैं। बढ़ते तापमान के कारण पिछले सौ वर्षों में दुनिया में समुद्रों का जल स्तर 10 से 25 सेंटीमीटर तक बढ़ चुका है। अगर यही हाल रहा तो समुद्रतटों पर बसे शहरों के डूबने का खतरा पैदा हो जाएगा और महासागरों में स्थित तमाम द्वीप डूब जाएंगे।

स्थितियां हो सकती हैं भयावह: वैज्ञानिकों का अनुमान है कि वर्षा पर आधारित खेती में फसलों की उपज आने वाले दशकों में आधी रह जाएगी और अकाल का साया बढ़ता चला जाएगा। तापमान बढ़ने से टुंड्रा वनों तक हरियाली के नष्ट होने की आशंका है, जिसके कारण लाखों पशु-पक्षियों का जीवन संकट में पड़ सकता है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते जानकारों को आशंका है कि 2050 तक पशु-पक्षियों और पेड़-पौधों की लगभग 10 लाख से अधिक प्रजातियां नष्ट हो जाएंगी। इन सभी समस्याओं के लिए इंसान ही अनिवार्य रूप से जिम्मेदार है। इसलिए दुनिया पर मंडराते इस संकट से निजात पाने के लिए हम इंसानों को ही आगे बढ़कर समाधान निकालना होगा। *

{ दोहे / अशोक अंजुम }

गर्मी तानाशाह है

बढ़ी तपिश यूं हो रहे, सभी जीव बेचैन।
ऐसे में हड़ताल पर घर का टेबिल फैन।।
घर के भीतर आग है, घर के बाहर आग।
है 'अंजुम' चारों तरफ, यही आग का राग।।
गर्मी तानाशाह है, लू का गुंडाराज।
अब जाने कब गिर पड़े, अपने सिर पर गाज।।
पत्ता तक हिलता नहीं, पेड़ खड़े हैं मौन।
समाधिस्थ हैं संत जी, इन्हें जगाए कौन।।
घुटी-घुटी-सी कोठरी, नहीं हवा का नाम।
नई बहू के 'जेठ' ने जीना किया हराम।।
थकी-थकी-सी बावड़ी, सूखे-सूखे घाट।
राम बुझाओ प्यास को, जोह रहे हैं बाट।।
खड़ी जेठ के आंगना, नदिया मांगे नीर।
दुःशासन-सी है तपन, खींच रही है चीर।।

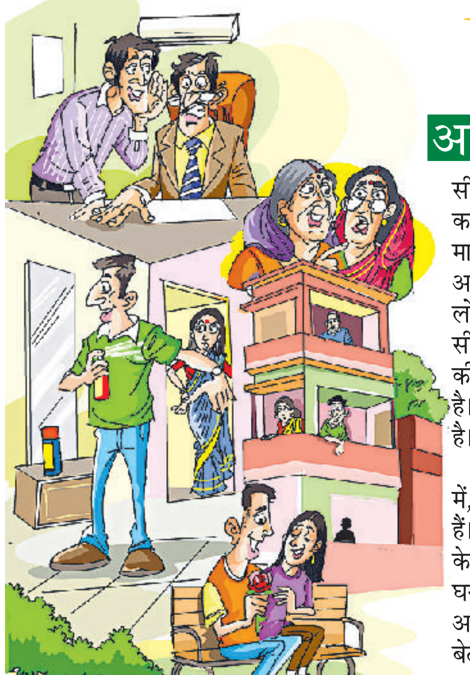

{ व्यंग्य / विनय मोघे }

सीसीटीवी

आज के जमाने में सीसीटीवी का होना जरूरी हो गया है। इसीलिए कई लोग अपने यहां सीसीटीवी लगवा रहे हैं। मेरा मानना है कि दुनिया का हर शख्स सीसीटीवी की कैद में है। आप मानो या न मानो, ऊपर वाले ने हर किसी पर अपना सीसीटीवी लगा रखा है। अब शादीशुदा लोगों की ही बात करें तो उनकी पत्नी उनका सीसीटीवी कैमरा होती है। पति कहीं भी हो, पत्नी की खोजी नजर उसे पाताल में भी नहीं छोड़ती है। पत्नी की सूक्ष्म नजर पति पर हर वक्त रहती है। पत्नी को तो सुपर सीसीटीवी कहना चाहिए।

आप कहीं भी रहते हों, झोपड़ी में या बंगले में, आप के पड़ोसी आपके सीसीटीवी कैमरे होते हैं। उनके घर के लोग वन बाय वन आप के घर के हर सदस्य पर नजर रखे होते हैं। आपके घरवालों की जो खबर आपको नहीं होती, वो आपके पड़ोसियों को होती है। आपके बेटे या बेटी का किसके साथ चक्कर चल रहा है, इसकी खबर आपसे पहले आपके पड़ोसियों को लग जाती है। किसी भी दफ्तर में बॉस के चमचे सीसीटीवी के रूप में पूरे दफ्तर में फैले होते हैं। हर पल की और हर शख्स की खबर बॉस तक पहुंचाना ही इनका मुख्य कार्य होता है। यदि इस सबसे फुर्सत मिले तो ये दफ्तर का काम करते हैं। इन सीसीटीवी चमचों पर बॉस की विशेष कृपा-दृष्टि होती है। इसके अलावा कुछ लोग दफ्तर में शौकिया तौर पर भी सीसीटीवीगिरी करते हैं। कालांतर में इनमें से कुछ अपनी इस योग्यता के बल पर बॉस के चमचों में शामिल हो जाते हैं।

भारतीय परिवारों में जब संयुक्त परिवार का चलन था, तब हर घर में कई-कई सीसीटीवी हुआ करते थे। घर के मुखिया और सास के अपने पर्सनल सीसीटीवी होते थे। जहां तक संभव हो घरों में सास खुद ही सीसीटीवी का काम अच्छे से हैंडल कर लिया करती थी। दूसरे नंबर पर ननद, घर की अच्छी सीसीटीवी हुआ करती थी। अब संयुक्त परिवार कम ही बचे हैं पर सास का सीसीटीवीपन अब भी वैसा ही है। कुछ सास की रेंज तो इतनी अच्छी होती है कि गांव में बैठे-बैठे शहर में रह रही बहू की खबर ले लेती है। अब तो आपको यकीन हो गया होगा कि आप हमेशा किसी सीसीटीवी की नजर में रहते हैं। तो जनाब थोड़ा संभल कर रहा कीजिए, क्योंकि आप भी सीसीटीवी की निगरानी में हैं। *

{ लघुकथा / यशोधरा भटनागर }

एंग्री बर्ड

'क्यों बहन! बड़ी उदास दिख रही हो, क्या बात है?'

'कुछ नहीं सखी! समय बहुत तेजी से बदला है और बदलते समय के साथ...यह इंसान तो बिल्कुल बदल गया।'

गुलमोहर की शाखा पर, घने हरे पत्तों की छांह में बैठी चिड़ियां आपस में बतिया रही थीं। 'हां देखो न! हम इनके साथ ही इनके घरों में कितने प्यार से रहते थे।'

'हमारी कहानियां भी बच्चे कितने चाव से सुनते थे।'

'एक थी चिड़िया, एक था चिरौंटा, चिड़िया लाई चावल का दाना, चिड़ा लाया दाल का दाना। दोनों ने बनाई खिचड़ी...।'

'चींचीं! चींचीं! कहकर हमें कितना प्यार करते थे।' 'बहन इस नन्हे बच्चे को देखो। मोबाइल पर चलती अंगुलियों संग यह अपनी ही दुनिया में डूबा है, जहां सब कुछ नकली है, झूठा है, आभासी है। उसी को देख-देखकर यह हंसता है, मुस्कुराता है और उदास होता है। और इसकी संगी-साथी यह कौन-सी चिड़िया है- 'एंग्री बर्ड!' 'हमारी तो किसी बहन का नाम 'एंग्री बर्ड' नहीं है।' 'अरे, इन बच्चों की यह कौन-सी दुनिया है बहन? जिसमें न हम हैं, न ये पेड़ हैं और तो और न ये इंसान ही हैं।' दोनों चिड़ियां ऊपर से झांक-झांक कर 'अनोखी दुनिया' को चीन्हने की कोशिश कर रही थीं। *

विज्ञापन...

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 19000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।

NBC@

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन– सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466
www.nonsurgicalspinecentre.in

संस्कृति-आस्था की पावन धाराएं
हमारी नदियां

भारत दुनिया का अकेला ऐसा देश है, जहां लोग नदियों को भी मां या देवी कहते हैं, उनकी पूजा करते हैं। नदियों के रूप में भारतभूमि को मिली प्राकृतिक वरदान की ये धाराएं, संस्कृति और आस्था की एक समृद्ध विरासत समेटे हुए हैं।

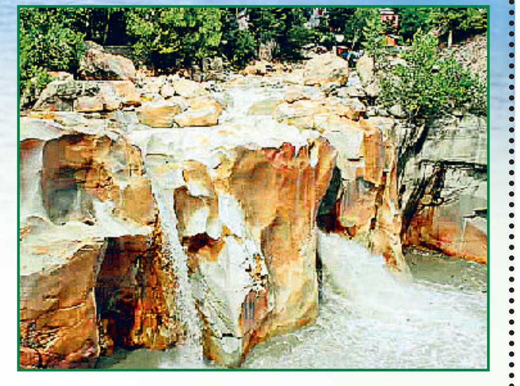

गंगा का उद्गम स्थल

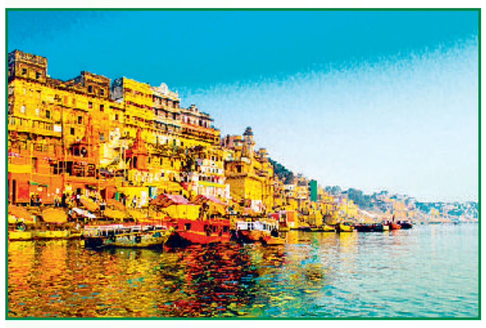

काशी के घाट पर गंगा का प्रवाह

मथुरा के तट पर यमुना की धारा

प्राकृतिक धरोहर / धीरज बसाक

नदियां किसी भी देश की जीवनरेखा के समान होती हैं। नदियों से किसी देश की अर्थव्यवस्था, सभ्यता और प्राकृतिक समृद्धि का पता चलता है। खान-पान, मनोरंजन और संस्कृति की स्रोत किसी न किसी रूप में नदियां भी होती हैं। कोई सभ्यता नदियों पर कितनी आश्रित हो सकती है, इस बात का अंदाजा भारत की संपन्न सनातन संस्कृति से लगाया जा सकता है। हम अगर अपने पौराणिक साहित्य पर नजर डालें तो भारतीय नदियां, भारतीय संस्कृति की आत्मा हैं। भारत में ज्ञान, विज्ञान और आत्मा से परमात्मा तक की खोज अधिकांशतः नदियों के तट पर ही हुई हैं।

नदी तट पर स्थित अनेक तीर्थस्थल

अपने देश में अनेक नदियों के किनारे बसे ऋषिकेश, हरिद्वार, मथुरा, अयोध्या, प्रयाग, काशी, गया, पटना, नासिक और उज्जैन जैसे नगर भारतीय धर्म और संस्कृति के जगमगाते दीप हैं। ये सभी धार्मिक और सांस्कृतिक नगर, प्रसिद्ध नदियों के किनारे बसे होने के कारण ही पीढ़ियों से हमारी सभ्यता और धार्मिक आस्था के महत्वपूर्ण स्थल माने जाते हैं। इन सभी को तीर्थस्थल कहा जाता है। दरअसल, माना जाता है कि नदियों में देवी-देवताओं का वास होता है। गंगा, यमुना, सरस्वती, नर्मदा, गोदावरी, कृष्णा और कावेरी जैसी नदियां, महज धरती पर बहती पानी की धाराएं भर नहीं हैं, अपने आप में ये समृद्ध सभ्यता और गौरवमयी संस्कृति को साथ लेकर बहती नदियां हैं।

भारतीय संस्कृति की आत्मा-गंगा

वैसे तो देश की सभी नदियों का अपना महत्व है। लेकिन उनमें भी गंगा नदी को भारतीय संस्कृति की आत्मा माना जाता है, इसे माता का दर्जा दिया जाता है। उत्तर भारत में आज भी लोग गंगा की कसम खाते हैं। भारत के चार राज्यों उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार और बंगाल से गुजरने वाली गंगा, भारतीय संस्कृति की गौरवमयी गाथा को अपने में समेटे हुए है। वेद व्यास रचित 'महाभारत' की कथा का एक मुख्य पात्र गंगा से ही संबंधित है। देवव्रत यानी भीष्म पितामाह गंगा के ही पुत्र थे।

गंगा का उद्गम-प्रवाह क्षेत्र

उत्तराखंड में गंगोत्री ग्लेशियर से निकलने वाली गंगा नदी का मुख्य स्रोत गोमुख है। यह नदी हिमालय की पवित्र कंदराओं से निकल कर मैदान की तरफ बहती है। गंगा कई सहायक नदियों से मिलकर अपना स्वरूप ग्रहण करती है। भारत की नदियों में सबसे ज्यादा सहायक नदियां गंगा की ही हैं। गंगा देश के भीतर बहने वाली सबसे बड़ी और लंबी नदी है। वैसे लंबाई की दृष्टि से ब्रह्मपुत्र भारत की सबसे लंबी नदी है। लेकिन ब्रह्मपुत्र तिब्बत के पुरंग जिले से निकल कर मानसरोवर झील के निकट से भारत और फिर बांग्लादेश में बहती है, इस तरह ब्रह्मपुत्र पूरी तरह से भारत में बहने वाली नदी नहीं है, जबकि गंगा, पूरी तरह से भारत भूमि में ही बहती है।

ब्रह्मपुत्र नदी का अप्रतिम सौंदर्य

हालांकि गंगा, गंगोत्री से निकलती है, लेकिन इसे गंगा नाम देवप्रयाग में आकर मिलता है। इसके पहले इसे भगीरथी और अलकनंदा नाम से पुकारा जाता है। प्रयाग पहुंचने पर गंगा में एक अन्य विशाल नदी यमुना मिल जाती है, जिसमें चंबल, केन, बेतवा, शिप्रा सहित आधा दर्जन से ज्यादा छोटी नदियां मिलती हैं। जब यमुना, गंगा से मिलती है, तो गंगा बहुत ही समृद्ध जल वाली विशाल नदी बन जाती है। प्रयागराज के बाद गंगा के प्रवाह की विशालता देखते ही बनती है। पुराणों में वर्णित अंतःसरिता सरस्वती भी प्रयाग में गुप्त रूप से गंगा में मिल जाती है। प्रयाग में जहां गंगा, यमुना और सरस्वती मिलती हैं, उस स्थान को तीन नदियों के संगम वाला स्थान 'त्रिवेणी' कहते हैं। यह हिंदू मतावलंबियों का प्रमुख तीर्थस्थल है। आगे चलकर गंगा नदी में वाराणसी के निकट असी और वरुणा, तो बिहार में तमसा, रामगंगा, सोन जैसी कई अन्य नदियां आकर मिलती हैं।

हम समझें नदियों की महत्ता

भारतीय संस्कृति में नदियों का धार्मिक और सांस्कृतिक ही नहीं, ऐतिहासिक महत्व भी है। हमारा प्राचीन और समृद्ध अतीत, गंगा और यमुना जैसी नदियों के किनारे महान ऋषि-मुनियों की ज्ञान परंपरा वाला इतिहास है। गंगा और यमुना दोनों ही पवित्र नदियां हैं, जिनके किनारे आधुनिक सभ्यता के कई पड़ाव के प्रमाण देखे जा सकते हैं। गीता में भगवान कृष्ण ने नदी और समुद्र की तुलना आत्मा और परमात्मा से की है। इस संदेश के जरिए भगवान कृष्ण ने नदियों के इस संसार और हमारे जीवन में महत्ता को रेखांकित किया है। इसी तरह प्राचीनकाल में जब ऋषि-मुनि किसी सुहागन को वरदान देते थे तो कहते थे- तुम्हारा सुहाग तब तक सुरक्षित रहे, जब तक गंगा-यमुना में जल है। आज भी माना जाता है कि इन नदियों में पानी कभी सूख नहीं सकता है। लेकिन हम सब जिस लापरवाही से इन नदियों के जल को प्रदूषित कर रहे हैं, इससे इनकी पवित्रता तो नष्ट हो ही रही है, इनके अस्तित्व के समक्ष संकट भी बढ़ता जा रहा है। ऐसे में जन सामान्य और सरकारों को तुरंत भागीरथी प्रयास करना होगा। *

सजगता / शिखर चंद जैन

किसी भी फंक्शन, पार्टी या स्पेशल ऑकेजन की सजावट में रंग-बिरंगे गुब्बारे खूब लगाए जाते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि ये बैलून्स, प्रदूषण फैलाने के साथ ही मानव समेत कई जंतुओं के स्वास्थ्य को भी नुकसान पहुंचाते हैं?

पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए
बैलून पॉल्यूशन

पूरी दुनिया में पर्यावरण को प्रदूषित करने में प्लास्टिक एक बड़ी वजह है। प्लास्टिक के बेहद बारीक टुकड़े, जो कई बार इतने सूक्ष्म होते हैं कि सामान्य रूप से दिखाई नहीं पड़ते, यानी माइक्रोस्कोपिक प्लास्टिक पार्टिकल हवा से हमारे भोजन और पेयजल में मिल जाते हैं और इनके माध्यम से हमारे शरीर में भी प्रवेश कर जाते हैं। ये प्लास्टिक पार्टिकल्स हमारे शरीर की कार्य-प्रणाली को नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे हमारा स्वास्थ्य बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। यह हम लोग जानते हैं, इसीलिए अकसर जागरूकता अभियानों के दौरान प्लास्टिक की थैलियां, प्लास्टिक की बोतलों और स्ट्रॉ आदि के उपयोग के प्रति लोगों को सचेत किया जाता है। लेकिन इन सब के बीच शायद ही किसी को इस बात पर ध्यान आता हो कि बैलूंस यानी गुब्बारों का बेतहाशा उपयोग भी पर्यावरण को अत्यधिक नुकसान पहुंचा रहा है।

खूब किए जाते हैं यूज : बर्थडे पार्टी, सेमिनार, किसी समारोह का उद्घाटन, गीत-संगीत का कार्यक्रम या किसी भी आयोजन में रंग-बिरंगे या थीम के अनुसार विभिन्न आकार-प्रकार के बैलूनों से सजावट की जाती है। बड़े-बड़े राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट इवेंट्स के दौरान या अन्य खुशी के मौकों पर सैकड़ों की संख्या में बैलून हवा में उड़ाए जाते हैं।

कई तरह से नुकसानदायक: आमतौर पर सजावट में यूज किए जाने वाले मायलर बैलून, हीलियम गैस से भरे होते हैं। कई बार लोगों को भ्रम होता है कि ये बैलून भला पृथ्वी पर प्रदूषण कैसे फैलाएंगे, ये तो हवा में उड़ जाते हैं? लेकिन हमें याद रखना चाहिए कि जो वस्तु ऊपर जाती है, वह नीचे भी आती है। ये बैलून या उनके टुकड़े, उड़ाए जाने की जगह से काफी दूर, सैकड़ों किलोमीटर दूर ही सही लेकिन कहीं न कहीं वापस धरती पर गिरते हैं। इनमें से कुछ पेड़ों पर अटक जाते हैं, कुछ समुद्र, झीलों या नदियों में जा गिरते हैं। पशु-पक्षी या समुद्री जंतु अगर इन्हें खा लें तो कई बार उनके लिए जानलेवा भी साबित होता है। बर्थडे पार्टी या अन्य अवसरों पर सजाए गए बैलून भी फटकर इधर-उधर बिखर जाते हैं जो वातावरण को प्रदूषित करते हैं। कई बार नालियों में अटक कर इन्हें अवरुद्ध कर सकते हैं। पक्षी कई बार पतंग के मांझे या इलेक्ट्रिक तारों के जंजालों की तरह ही गुब्बारों के रिबन या रस्सियों में उलझ कर मर जाते हैं। कई बार बैलून फटने की आवाज पशु-पक्षियों को ही नहीं, इंसानों को भी डरा सकती है या उनके लिए पैनिक अटैक की वजह बन सकती है।

लैटेक्स बैलून भी हार्मफुल : प्लास्टिक से बनने वाले गुब्बारों की तरह ही लैटेक्स बैलून भी हार्मफुल होते हैं। लैटेक्स बैलून बेहद नरम होते हैं। फटने के बाद कई बार जब इनके रंग-बिरंगे टुकड़े समुद्री सतहों पर तैरते हैं, तो ये किसी जेलीफिश या स्क्विड की तरह नजर आते हैं। कई बार इन्हें समुद्री कछुए, समुद्री पक्षी, मछलियां या अन्य जलीय जंतु अपना भोजन समझ कर खा लेते हैं। ये उनके पाचन तंत्र में पहुंच जाते हैं और फिर वहां अटक जाते हैं और कई बार इससे उनकी जान भी चली जाती है। लैटेक्स बैलून कठोर प्लास्टिक के गुब्बारों से कहीं ज्यादा प्राणघातक साबित होते हैं। इसलिए गुब्बारों का प्रयोग कम से कम किया जाए तो यह प्रदूषण के विरुद्ध एक प्रभावी कदम साबित हो सकता है। *

ड्रेस ट्रेंड / प्रतिमा अरोड़ा

यंगस्टर्स को लुभाती
कंफर्टेबल व्हाइट जींस

गर्मी के इस मौसम में जब आसमान से आग बरस रही हो, तब व्हाइट जींस न सिर्फ अपने कलर के कारण ठंडक का एहसास देती है, बल्कि एक स्टाइल स्टेटमेंट बनकर भी सामने आती है। खासतौर से गर्मियों के लिए डिजाइन की गई, अलग-अलग व्हाइट जींस इन दिनों युवाओं को खूब अट्रैक्ट कर रही हैं।

व्हाइट कलर लगता है डिफरेंट: गर्मी के इस मौसम में व्हाइट कलर की ड्रेसेस शरीर को राहत तो देती ही हैं, साथ ही इनका एक अलग किस्म का अट्रैक्शन भी होता है। अगर आपका बॉडी कॉम्प्लेक्शन थोड़ा डार्कर है, तब तो व्हाइट कलर की ड्रेसेस आप पर और ज्यादा सूट करेगा। जहां तक जींस की बात है तो आमतौर पर ब्लू या ब्लैक कलर की ज्यादा पहनी जाती हैं। ऐसे में अगर आप व्हाइट जींस पहनते हैं तो अपने आप में सेंटर ऑफ अट्रैक्शन बन जाते हैं। इनमें कई वैरायटीज मार्केट में अवेलेबल हैं।

लो राइज स्लिम फिट व्हाइट जींस: व्हाइट जींस में भी लो राइज स्लिम फिट जींस पहनना, यंगस्टर्स ज्यादा पसंद करते हैं। इस तरह की जींस खासतौर पर चिलचिलाती गर्मियों को ही ध्यान में रखकर मार्केट में लॉन्च की गई हैं। वैसे तो यह किसी भी मौसम में पहनी जा सकती है, लेकिन मई-जून की गर्मियों के लिए यह परफेक्ट है।

सॉलिड स्किन फिट व्हाइट जींस: सॉलिड स्किन फिट व्हाइट जींस जिप फ्लाई और आगे-पीछे की जेब के साथ मार्केट में उपलब्ध है। कुछ ब्रांड्स ने इसे यूनिसेक्स प्रोडक्ट के तौर पर मार्केट में उतारा है, यानी इसे मेल-फीमेल यंगस्टर्स पहन सकते हैं। इसे बेसिक टी-शर्ट और स्नीकर्स के साथ टीमअप किया जा सकता है। इसे पहनने के साथ अगर ब्लैक बेल्ट भी लगा लिया जाए तो यह गजब का अट्रैक्शन देती है।

व्हाइट टेपर्ड जींस: टेपर्ड फिट जींस, स्पेशली मेल यंगस्टर्स के लिए ही होती है। इसकी क्लासिक स्टाइल, टाइमलेस अपील के साथ ही आसान वियेरेबिलिटी भी कमाल की होती है। सबसे खास बात यह है कि इसका फैब्रिक मजबूत डेनिम का होता है। मेल यंगस्टर्स के लिए टेपर्ड फिट जींस व्हाइट कलर में सबसे कमाल लगती है। *

न्यू टेक्नीक
शैलेंद्र सिंह

आर्ट लवर्स का नया मंच
डिजिटल आर्ट गैलरीज

आज के तकनीकी दौर में सब कुछ डिजिटल हो रहा है। ऐसे में आर्ट गैलरीज का डिजिटल होना कोई असामान्य बात नहीं है। अच्छी बात है कि यह उभरता नया मंच कलाकारों और कलाप्रेमियों दोनों को खूब भा रहा है।

डिजिटल आर्ट है अलग: डिजिटल आर्ट, क्रिएटिव सोच और आधुनिक कंप्यूटर प्रौद्योगिकी का मिश्रण होता है। जबकि डिजिटल आर्ट गैलरीज केवल आभासी माध्यम से वास्तविक कलाकृतियों को हम तक पहुंचाने का एक मीडियम होती हैं।

क्या है डिजिटल आर्ट गैलरी: डिजिटल आर्ट गैलरीज या डीएजी, किसी ट्रेडिशनल आर्ट गैलरी का कोई भौतिक रूप नहीं है। यह वास्तव में कलाकृतियों को प्रदर्शित करने वाली वेबसाइट होती है। इन ऑनलाइन आर्ट गैलरीज को एक व्यवसाय के रूप में चलाया जाता है, जिसका मकसद कलाकृतियों को प्रदर्शित करना भर नहीं होता, बल्कि संभावित खरीदारों तक इन कलाकृतियों की पहुंच भी सुनिश्चित करना होता है।

क्यों पड़ी जरूरत: अब सवाल उठता है कि डिजिटल आर्ट गैलरीज की जरूरत क्यों पड़ी? तो इसका जवाब है आज के दौर में जब रोजमर्रा के जीवन से जुड़ी करीब-करीब हर चीज और सुविधा डिजिटल रूप ले चुकी है तो डिजिटलीकरण की इस आंधी से भला कला वीथिकाएं यानी आर्ट गैलरीज कैसे अछूती रह सकती थीं? डिजिटल आर्ट गैलरीज सही मायने में कलाकारों के लिए बहुत फायदेमंद हैं, क्योंकि ये आभासी कला मंच एक तो दुनिया के किसी भी कोने से न सिर्फ देखे जाने के लिए उपलब्ध होते हैं, बल्कि दुनिया के किसी भी कोने से यहां प्रदर्शित आर्ट क्रिएशन की खरीद-बिक्री भी बहुत आसानी से हो सकती है।

कोविड काल में मिला विस्तार : कला की दुनिया में सबसे ज्यादा डिजिटल एक्सपेरिमेंट्स कोविड-19 के दौरान तब हुए, जब पूरी दुनिया घरों में कैद थी और महीनों आर्ट गैलरीज के ताले तक नहीं खुले। इस आपदा के समय को कला की दुनिया ने डिजिटल टेक्नोलॉजी को कला के क्षेत्र में एक अवसर की तरह बनाया और पिछले तीन-चार सालों में कला की दुनिया का बहुत बड़े पैमाने पर डिजिटलीकरण हो गया। यह कला के कारोबार के लिए भी बहुत अच्छा साबित हुआ है। आज हर साल कई बिलियन डॉलर की कलाकृतियां ऑनलाइन बिकती हैं। वास्तव में कला के क्षेत्र में डिजिटल तकनीक ने कला संबंधी हमारी कल्पनाओं को कमजोर नहीं किया, बल्कि इन्हें वास्तव में एक बड़ी ऊंचाई तक पहुंचाया है। *

शेखर सुमन आजकल चर्चा में हैं। हाल में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर संजय लीला भंसाली की रिलीज हुई वेब-सीरीज 'हीरामंडी' में वह नवाब जुल्फिकार के किरदार में नजर आ रहे हैं। इस किरदार, 'हीरामंडी' सीरीज और करियर से जुड़ी लंबी बातचीत शेखर सुमन से हुई। प्रस्तुत हैं बातचीत के प्रमुख अंश।

हीरामंडी में मेरे किरदार की लेंथ कम लेकिन सिग्नीफिकेंट है: शेखर सुमन

खास मुलाकात / पूजा सामंत

'हीरामंडी', जैसा नाम, इससे यही लगता है यह तवायफों की कहानी है। सीरीज नायिका प्रधान है, फिर आप जैसे सीनियर एक्टर के लिए इसे करने के पीछे क्या वजह रही?

सबसे अहम वजह है-संजय लीला भंसाली। उनके साथ काम करना एक लाइफटाइम एक्सपीरियंस है, पूरी इंडस्ट्री यह जानती है। वैसे मैं भंसाली जी के साथ काम करने का एक बड़ा मौका पहले खो चुका हूं। अपनी फिल्म 'देवदास' में उन्होंने मुझे चुन्नीबाबू का किरदार ऑफर किया था। तब टीवी शोज की व्यस्तताओं के चलते मैं एक शानदार किरदार और फिल्म से वंचित रह गया। 'हीरामंडी' का ऑफर जब उन्होंने मुझे दिया तो मैंने यह मौका हाथ से जाने नहीं दिया। 'हीरामंडी' में मेरे किरदार नवाब जुल्फिकार की लेंथ कम, लेकिन सिग्नीफिकेंट है।

नवाब जुल्फिकार के लिए आपने किस तरह से तैयारी की?

'मुगल-ए-आजम', 'पाकीजा', 'मेरे महबूब, 'चौदहवीं का चांद' जैसी फिल्मों में हमारे मेकर्स ने रईस नवाबों को पर्दे पर जिस तरह उतारा है, उन्हें हमने देखा-समझा। जब नवाब का किरदार निभाना हो तो नवाबी पोशाक, अलंकार, मेकअप के बाद नवाबों जैसी चाल-ढाल अपने आप हो जाती है। संवाद अगर पॉवरफुल हों तो किरदार अपनी सही छाप छोड़ते हैं, जैसे- 'हम जुल्फिकार हैं, हुकूमत बदल जाएं लेकिन हमारी शानो-शौकत नहीं बदलेगी।'

संजय लीला भंसाली के साथ आपके अनुभव कैसे रहे?

भंसाली जी बड़े टास्क मास्टर हैं, वे शॉट्स या सींस के मामले में कोई समझौता नहीं करते। भंसाली जी ने जो तसव्वुर में सोचा है, उसे ही करना है। उनके पास गजब का पेशेंस है। हर मेकर को उनके जैसा परफेक्शनिस्ट होना चाहिए।

आपके लिए 'हीरामंडी' में कौन-सा सीन चैलेंजिंग रहा?

सीरीज की शुरुआत में मेरा और मनीषा कोइराला का एक सीन है, जिसमें हम एक बग्घी में बैठे हैं। मेरा किरदार (नवाब जुल्फिकार) नशे में धुत्त है। कुछ सेक्सुअल एक्ट भी कर रहा है। यह सीन करना आसान नहीं था चूंकि सेक्सुअल एक्ट के साथ उसे नशे में धुत्त भी दिखाना था, वो मनीषा के साथ बातचीत करते हुए अपनी इच्छाएं, अपने जज्बात, अपनी कुंठाओं को भी व्यक्त कर रहा है। यह सीन ओवर एक्ट ना लगे, इसका भी ध्यान रखना था। जुल्फिकार की तड़प, प्यार, जज्बात भी उसमें दिखने थे। लेकिन जब यह सीन बस एक टेक में ओके हुआ तो भंसाली जी ने तालियां बजाईं, यह सीन 'हीरामंडी' का एक आइकॉनिक सीन बन चुका है।

फिल्म 'हीरामंडी' के एक सीन में मनीषा कोइराला-शेखर सुमन

इस सीरीज में मनीषा कोइराला से लेकर सोनाक्षी सिन्हा तक कई अभिनेत्रियों ने यादगार किरदार निभाए हैं, इनके साथ आपके अनुभव कैसे रहे?

'हीरामंडी' में मेरे जितने भी सीन हैं, मनीषा के साथ ही हैं। मुझे मनीषा पर फख्र है। कुछ वर्ष पहले उन्होंने कैंसर पर विजय पाई है। अब पूरी शिद्दत के साथ फिर से अभिनय में जुट गई हैं। इस सीरीज में मनीषा ने अपनी आवाज पर भी काम किया है। अपने किरदार में उन्होंने जान डाल दी है।

मनीषा कोइराला हों, आप हों या अध्ययन सुमन, क्या आप इस बात को मानते हैं कि यह सीरीज आप सभी के लिए कमबैक है?

मनीषा, अध्ययन या मेरा, किसी के लिए भी यह सीरीज कमबैक नहीं है। हम सभी कलाकार यहीं इंडस्ट्री में हैं। यह दूसरी बात है कि मनचाहे किरदार हमें ऑफर नहीं हुए, इसीलिए हम नजर नहीं आए। कौन कलाकार खुद काम नहीं करना चाहेगा? एक मर्तबा साइकिल या तैराकी सीखा हुआ बंदा क्या साइकिल चलाना या तैरना भूल सकता है? नहीं ना! वैसे ही एक्टिंग का हुनर कोई कलाकार भूल नहीं सकता। इसलिए इसे कमबैक नहीं कहा जा सकता।

'हीरामंडी' में आपके साथ आपके बेटे अध्ययन भी हैं, क्या आपने उन्हें अपने टिप्स दिए?

अध्ययन की कास्टिंग मुझसे पहले हो चुकी थी। उसी वक्त मैंने उससे कहा, 'अपनी फिटनेस, डायलॉग डिलीवरी, परफॉर्मेंस में सौ प्रतिशत देना। अपने डायलॉग्स को जानदार बनाने की प्रैक्टिस करो।' पिता-पुत्र को एक साथ काम करने का मौका कम ही मिलता है। हम दोनों खुशकिस्मत हैं कि हमने भंसाली जी की फिल्म में साथ काम किया। एक पिता को और क्या चाहिए!

आपके फिल्म करियर को 40 वर्ष हो चुके हैं, यह कैसा संयोग है, 40 वर्षों में सिर्फ 40 फिल्में कीं?

मेरी पहली फिल्म 'उत्सव' के बाद जो ऑफर्स मेरे पास आए, उनमें मैंने चंद सेलेक्ट किए। मैं माधुरी दीक्षित, रवीना टंडन, जूही चावला, पद्मिनी कोल्हापुरे जैसी नामी-गिरामी अभिनेत्रियों के साथ लीड एक्टर रहा हूं। उसी दौर में अपने देश में टीवी की लोकप्रियता दिन दोगुनी-रात चौगुनी बढ़ रही थी। मैंने 'देख भाई देख', 'मूवर्स एंड शेकर्स', 'फिल्म दीवाने' जैसे दर्जनों शोज होस्ट किए और टीवी इंडस्ट्री के शिखर पर रहा। टीवी पर काम करते हुए मैं फिल्मों को तवज्जो नहीं दे पाया। *

इसलिए ज्वाइन की बीजेपी

हाल ही में शेखर सुमन ने बीजेपी ज्वाइन की है। इस पार्टी में आने के पीछे आपकी क्या मंशा है? इस सवाल के जवाब में वह कहते हैं, 'मेरा राजनीति का अनुभव खास नहीं रहा। किसी पार्टी में जाने में मैं गंभीर नहीं था। जिस तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीजेपी काम कर रही है, मुझे लगा इस पार्टी के पास एक सॉलिड सोच है। यह पार्टी देश के लिए बहुत अच्छा कर रही है। एक तराजू में बीजेपी की अच्छाइयां और बुराइयां तौल कर देखिए, अच्छाइयां ज्यादा नजर आएंगी। इसलिए मैंने प्रधानमंत्री के हाथ मजबूत करने के लिए बीजेपी ज्वाइन की है। देश की सेवा के साथ अपनी फिल्म इंडस्ट्री और अपने पटना शहर के लिए भी जितना हो सकेगा, अच्छे काम करूंगा।'